सांध्य दैनिक

4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_SanjayS | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 12 ● अंकः 58 पृष्ठः 8 ● लखनऊ, शुक्रवार 3 अप्रैल, 2026

मूल्य ₹ 3/-

एक मिनट देर से आने से अच्छा है तीन घंटे पहले आएं।

-विलियम शेक्सपीयर

अपनी पहली जीत दर्ज करने उतरेगी... 7 | दक्षिणी राज्यों में चुनावी रंग और... 3 | बीजेपी पर चुनाव आयोग के साथ... 2

ईरान के सामने हांफने लगा सुपरपॉवर

सेना प्रमुख का इस्तीफा

- रैंडी जार्ज को हटाया गया क्रिस्टोफर लानेव की नियुक्ति
- पेंटागन में बड़े पैमाने पर अधिकारियों को इधर से उधर किये जाने की खबरें
- ट्रंप को बचाने के लिए अमेरिका सेना प्रमुख का इस्तीफा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। यह सिर्फ कुर्सी बदलने की खबर नहीं है यह उस साम्राज्य की सांसों का शोर है जो पहली बार अपने ही फैसलों के बोझ तले लड़खड़ा रहा है। वाशिंगटन के चमकते गलियारों में अचानक उठी हलचल पेंटागन के भीतर अफरा–तफरी का माहौल और सत्ता के सबसे मजबूत स्तंभों में दिखती दरार यह सब मिलकर एक ही कहानी कह रहे हैं कि ट्रंप को अपनी ईरान के साथ युद्ध में अमेरिका की हार का एहसास हो गया है और यह सबकुछ डैमेज कंट्रोल के लिए किया जा रहा है।

अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने अमेरिकी आर्मी चीफ ऑफ स्टाफ जनरल रैंडी जॉर्ज को तत्काल पद छोड़ने और सेवानिवृत्त होने का निर्देश दिया है। रक्षा मंत्री के इस आदेश के बाद जनरल जॉर्ज ने प्रभावी रूप से अपना पद त्याग दिया है। ईरान के साथ जारी भीषण तनाव के बीच हेगसेथ का यह कड़ा फैसला पेंटागन में बड़े प्रशासनिक फेरबदल का संकेत दे रहा है। पेंटागन के प्रवक्ता सीन पार्नेल ने एक बयान में कहा है कि जनरल रैंडी ए. जॉर्ज आर्मी के 41वें चीफ ऑफ स्टाफ के पद से तत्काल प्रभाव से रिटायर हो रहे हैं। रक्षा विभाग देश के लिए उनकी दशकों की सेवा के लिए उनका आभारी है और उनके रिटायरमेंट के लिए शुभकामनाएं देता है।

रैंडी जार्ज पर फोड़ा ठीकरा

अमेरिकी सेना और रक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने पुष्टि की है कि हेगसेथ ने जॉर्ज से पद छोड़ने के लिए कहा था। उनकी जगह सेना के उप सेनाध्यक्ष जनरल क्रिस्टोफर लानेव जिम्मेदारी संभालेंगे। जनरल क्रिस्टोफर लानेव सीनेट से उनके उत्तराधिकारी की पुष्टि होने तक एक्टिंग चीफ के तौर पर काम करेंगे। जनरल रैंडी ए. जॉर्ज सितंबर -23 में सेना के प्रमुख बने थे उनके पास आम तौर पर चार साल के कार्यकाल में लगभग डेढ़ साल बाकी थे। हेगसेथ के ऑफिस संभालने के बाद जॉर्ज पद छोड़ने वाले सबसे नए वरिष्ठ सैन्य अधिकारी बन गए हैं। यह बदलाव सिर्फ एक पद से कहीं ज्यादा है। रिपोर्टिंग में बताए गए रक्षा अधिकारियों के मुताबिक जॉर्ज के साथ दो और आर्मी जनरलों को भी हटा दिया गया जिनमें ट्रेनिंग और चैपलेंसी के काम देखने वाले वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हैं। इस कदम पर तीखी राजनीतिक प्रतिक्रिया सामने आई है। कांग्रेसी यूजीन विंडमैन ने कहा है कि जनरल रैंडी जॉर्ज एक जबरदस्त पब्लिक सर्वेंट और सैनिक हैं। यह निराशाजनक है कि उनके जैसे अधिकारी को इसलिए किनारे कर दिया गया क्योंकि राष्ट्रपति एक ऐसा आदमी चाहते हैं जो उनकी हां में हां मिलाए।

सच्चाई के उजागर होने का दौर

यह दौर सिर्फ सैन्य बदलाव का नहीं यह उस सच्चाई के उजागर होने का दौर है जिसे अब तक प्रेस ब्रीफिंग और चमकदार भाषणों के पीछे छुपाया जाता रहा। जब सत्ता खुद अपने ही फैसलों से दूरी बनाने लगे जब जिम्मेदारी तय करने की बजाय चेहरे बदले जाने लगें तो समझ लीजिए कि कहानी जीत की नहीं नुकसान को संभालने की कोशिश की है। अमेरिका शायद आधिकारिक तौर पर कभी हार नहीं मानेगा। लेकिन हालात यह बता रहे हैं कि रणनीति की नींव हिल चुकी है और अब पूरी ताकत उस हिलती जमीन को थामने में लगाई जा रही है। सवाल सिर्फ इतना है कि क्या यह कोशिश वक्त रहते संभल जाएगी या फिर इतिहास एक और महाशक्ति के घमंड को अपने पन्नों में दर्ज करने के लिए तैयार बैठा है?

पेंटागन में दरार, सड़कों पर गुस्साई भीड़, ट्रंप को बचाने की आखिरी कोशिश

ईरान ने अमेरिका का एक और एफ-35 फाइटर जेट मार गिराया

मिडिल ईस्ट की जंग के बीच ईरान ने दावा किया है कि उसने एक और अमेरिकी एफ–35 लड़ाकू विमान को मार गिराया गया है, साथ ही यह भी कहा कि गंभीर चोटों के कारण पायलट के बचने की संभावना नहीं है। ईरान की अर्ध–सरकारी मेहर न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार ईरानी सेना के मुख्यालय, खतम अल–अंबिया के प्रवक्ता ने यह दावा किया है। इतना ही नहीं 4 फोटो भी शेयर किए गए हैं और दावा किया कि ये मार गिराए गए एफ–35 लड़ाकू विमान के टूटे–फूटे अवशेष हैं। हालांकि, अभी तक अमेरिकी सेना के यूएस सेंट्रल कमांड की ओर से कोई पुष्टि नहीं की गई है। यदि ईरान का यह दावा सच है, तो यह ईरान का बड़ा पलटवार होगा।

संबंधित खबरें पेज 8 पर

युद्ध के बीच सेना प्रमुख को हटाने का मतलब हार!

जब युद्ध के बीच सेना प्रमुख को हटाने की नौबत आ जाए तो यह सिर्फ एक अधिकारी की विदाई नहीं होती यह उस रणनीति की चिता होती है जिसे बड़े गर्व से दुनिया के सामने परोसा गया था। सवाल अब यह नहीं है कि गलती किसने की सवाल यह है कि गलती कितनी गहरी थी और क्या वह गलती अब छुपाई नहीं जा सकती? डोनाल्ड ट्रंप के दौर में मजबूत अमेरिका जो नारा गूंजता रहा वही आज अपने ही साये से घिरता दिख रहा है। सड़कों पर बढ़ता असंतोष फैसलों पर उठते सवाल और दुनिया के मंच पर घटती अमेरिकान साख। यह सब किसी एक जनरल या एक फैसले की नाकामी नहीं बल्कि उस सोच का परिणाम है जिसमें ताकत को रणनीति समझ लिया गया। इतिहास गवाह है कि महाशक्तियां मैदान में कम अपने अहंकार में ज्यादा हारती हैं। और जब फैसले जमीनी हकीकत से कटकर लिए जाते हैं तो उनका अंजाम हमेशा वही होता है अंदर से दरकती हुई ताकत जो आज पेंटागन की दीवारों पर लिखा जा रहा है।

पेंटागन की लीडरशिप पर सवाल

विंडमैन ने पेंटागन लीडरशिप की भी आलोचना करते हुए कहा है कि अगर पेंटागन में नेतृत्व की गुणवत्ता पर सवाल हैं तो ये सवाल सेक्रेटरी हेगसेथ को लेकर उठाया जाना चाहिए न कि उन पर जिन्होंने अपना करियर सम्मान के साथ हमारे देश की सेवा में बिताया है। यह बदलाव अमेरिकी सेना में बड़े तनाव के बीच हुआ है। इसके अलावा हेगसेथ ने हाल ही में एक अपाचे हेलीकॉप्टर क्रू से जुड़ी एक घटना में दखल देकर विवाद खड़ा कर दिया था। इस घटना से जुड़ा सस्पेंशन हटाने के बाद उन्होंने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि कोई सजा नहीं। कोई जांच नहीं। देशभक्तों आगे बढ़ो। पेंटागन ने जॉर्ज को हटाने के पीछे के कारणों के बारे में डिटेल में नहीं बताया है। सेना प्रमुख का पद अमेरिका में सबसे सीनियर सैन्य पदों में से एक है जो आर्मी की ट्रेनिंग तैयारी और ऑपरेशन्स की देखरेख के लिए जिम्मेदार है। इस स्तर पर बदलाव आम तौर पर लंबी बातचीत और सीनेट की निगरानी के बाद होते हैं।

बीजेपी चुनाव आयोग के साथ मिलकर चुनावों को प्रभावित करने का प्रयास कर रही : अखिलेश यादव

» बोले सपा प्रमुख- पार्टी यूपी में पीडीए सरकार स्थापित करने के लिए साजिशों का मुकाबला करने को तैयार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने जमकर भाजपा पर हमला किया है। सपा प्रमुख ने भाजपा और चुनाव आयोग पर आरोप लगाते हुए कहा कि बीजेपी पर निर्वाचन आयोग के साथ मिलकर विभिन्न राज्यों में चुनावों को प्रभावित करने का प्रयास करने का आरोप लगाया और कहा कि उनकी पार्टी उत्तर प्रदेश में पीडीए सरकार स्थापित करने के लिए ऐसी साजिशों का मुकाबला करने की तैयारी कर रही है।

यादव ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं ने पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) मुद्दे को मजबूत करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि 24 में इन सभी साथियों ने मिलकर पीडीए की आवाज उठाई थी और जन सहयोग से सामाजिक न्याय की लड़ाई को आगे बढ़ाया था। यादव ने कहा, हम दृढ़ संकल्पित हैं कि आने वाले समय में हम मिलकर पीडीए सरकार बनाएंगे और राज्य स्तर पर सामाजिक न्याय स्थापित करेंगे। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री यादव ने दावा किया,हमारी जानकारी में है कि जैसे ही अन्य राज्यों में चुनाव खत्म होंगे, बीजेपी की पूरी मशीनरी उत्तर प्रदेश की ओर रुख करेगी हम करीब से देख रहे हैं कि जिन राज्यों में चुनाव हो रहे हैं, वहां निर्वाचन आयोग और बीजेपी मिलकर कैसे काम कर रहे हैं।

संभल के पुलिस अधीक्षक की शादी में गए विधायकों को समझाएंगे

संभल के पुलिस अधीक्षक केके विश्नोई की शादी में जाने वाले विधायकों प्रतिक्रिया दी है। लखनऊ स्थित सपा मुख्यालय में प्रेस वार्ता के दौरान अखिलेश से यह पूछा गया कि निर्देशों के बावजूद विधायक, संभल एसपी की शादी में गए थे। इस पर अखिलेश ने कहा कि उन्हें शामिल नहीं होना चाहिए था। ये हम लोग आपस में बातचीत कर के उन्हें समझाएंगे। बता दें बीते दिनों संभल के पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई और आईपीएस अंशिका वर्मा की शादी में सपा विधायक रामखिलाड़ी यादव, इकबाल महमूद, सपा की संभल इकाई के जिलाध्यक्ष असगर अंसारी और पिंकी यादव गईं थीं. पिंकी यादव, संभल स्थित असमौली, इकबाल महमूद- संभल सदर, रामखिलाड़ी सिंह यादव- गुन्नौर से विधायक हैं।

अखिलेश ने पदाधिकारियों को दी चेतावनी

अखिलेश यादव ने जिलाध्यक्षों को चेतावनी दी कि वे किसी को टिकट दिलाने का ठेका न लें। अगर शिकायत मिली तो फिर खैर नहीं है। यह भी कहा कि अगर किसी जिलाध्यक्ष को चुनाव लड़ना है तो वह चुपचाप अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दे और उन्हें बताए। इस पर विचार किया जाएगा। खुद से अपने आप को प्रत्याशी घोषित न करे। बैठक में सपा महानगर और ग्रामीण के जिलाध्यक्षों, विधानसभा अध्यक्ष भी बुलाए गए। बैठक में शामिल शहर के पदाधिकारियों ने बताया कि राष्ट्री य अध्यक्ष की ओर से सख्ती से कहा गया कि कोई भी सार्वजनिक रूप से किसी विधायक, अध्यक्ष या नेता की बुराई न करें। किसी के सार्वजनिक बयान जारी कर देने से पार्टी और संगठन की छवि धूमिल होती है। अगर किसी को नेता से शिकायत है तो हाई कमान को लिखकर भेजें। इस पर जांच कराई जाएगी। जिलाध्यक्ष के अलावा कोई विधानसभा अध्यक्ष या पदाधिकारी टिकट को लेकर किसी से वादा न करे। सोशल मीडिया के इस्तेमाल में सतर्कता बरतें। बैठक में विधानसभा चुनाव की तैयारी को लेकर बूथ स्तर से पार्टी को मजबूत करने की बात कही गई।

विजयन पीएम मोदी की बी-टीम के रूप में काम कर रहे : प्रियंका

» कांग्रेस नेता बोलीं- केंद्र और राज्य सरकार कर रही जनता की अनदेखी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन पर पीएम मोदी की बी-टीम के रूप में काम करने का गंभीर आरोप लगाया, साथ ही उन्होंने मोदी सरकार की विदेश नीति की आलोचना करते हुए उन्हें कायर कहा। उन्होंने केरल की भावना को भारत की सच्ची भावना बताते हुए केंद्र और राज्य दोनों सरकारों पर जनता की अनदेखी करने का आरोप लगाया।

चिरायिनकीझू में एक जनसभा के दौरान, कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने केरल के लोगों की प्रशंसा करते हुए उन्हें भारत की सच्ची भावना का प्रतीक बताया और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, शिक्षा, समानता और करुणा की राज्य की परंपराओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि यह नारायण गुरुजी जैसे क्रांतिकारी विचारकों की भूमि है। वे महात्मा गांधी जी के महान प्रेरणास्रोतों में से एक थे और कई मायनों में, आप आज भी उनकी परंपराओं को जी रहे हैं। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, अच्छी शिक्षा, समानता, एक-दूसरे के प्रति प्रेम और करुणा की परंपराएं। मुझे यह कहने में कोई संकोच नहीं है कि केरल की भावना ही भारत की सच्ची भावना है। गांधी ने पश्चिम एशिया संघर्ष पर सर्वदलीय बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अनुपस्थिति की आलोचना की और कहा कि उनकी गैरमौजूदगी से संकेत मिलता है कि वे इस चर्चा को महत्वपूर्ण नहीं मानते। उन्होंने कहा कि यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण चर्चा थी जो होनी ही थी, लेकिन उन्होंने वहां न आने का विकल्प चुना। वे स्पष्ट रूप से इसे उतना महत्वपूर्ण नहीं समझते। गांधी लोकसभा में वायनाड का प्रतिनिधित्व करती हैं। अटिंगल संसदीय क्षेत्र का हिस्सा चिरायिनकीझु पिछले तीन विधानसभा चुनावों में वाम लोकतांत्रिक मोर्चे (एलडीएफ) के पास रहा है। आगामी चुनाव में संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चे (यूडीएफ) की उम्मीदवार राम्या हरिदास हैं, जो अलाथुर से पूर्व लोकसभा सांसद (2019-2024) रह चुकी हैं। हरिदास का मुकाबला सीपीआई के मनोज बी एडमाना और भाजपा के बी एस अनूप से होगा। अनूप ने इससे पहले 2021 के विधानसभा चुनाव में चिरायिनकीझु से यूडीएफ के टिकट पर चुनाव लड़ा था। अपने भाषण में गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री पिनारयी विजयन के नेतृत्व वाली एलडीएफ दोनों की जनता की जरूरतों की अनदेखी करने के लिए आलोचना की। उन्होंने मोदी पर भारत की संप्रभुता से समझौता करने का आरोप लगाते हुए कहा कि मोदी सरकार की नीतियां हमारी जनता के लिए कुछ नहीं कर रही हैं। उन्होंने इसके बजाय इजरायल और अमेरिका के सामने झुकना चुना है। हमारे प्रधानमंत्री ने हमारी ऊर्जा सुरक्षा अमेरिकियों को सौंप दी है और हमारा भविष्य उनके हाथों में दे दिया है। अब वे हमें बताते हैं कि हम किससे और कब खरीद सकते हैं।

मोदी कायर प्रधानमंत्री

उन्होंने प्रधानमंत्री पर व्यक्तिगत हमला करते हुए उन्हें कायर कहा और आरोप लगाया कि मोदी कायर हैं। उनमें भारत के लिए खड़े होने का साहस नहीं है। उनके फैसलों की कीमत जनता को हर दिन चुकानी पड़ रही है। हम इसलिए कीमत चुका रहे हैं क्योंकि उनका नाम एपस्टीन की कुछ फाइलों में है। गांधी ने राज्य सरकार पर भाजपा के साथ मिलीभगत का आरोप लगाते हुए कहा कि केरल के मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी की बी-टीम की तरह काम कर रहे हैं। केंद्र ने किसी भी वामपंथी नेता पर हमला क्यों नहीं किया? सबरीमाला मंदिर में बड़ी चोरी होने पर भी प्रधानमंत्री ने कुछ नहीं कहा। उन्होंने आगे दावा किया कि दोनों पार्टियां भ्रष्ट कॉरपोरेट पार्टियां हैं जो बहुत लंबे समय से सत्ता में हैं।

बिहार में सरकार नाम की चीज नहीं : पप्पू

» नालंदा के शीतला माता मंदिर में हुई भगदड़ पर उठाए सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव ने नालंदा के शीतला माता मंदिर में हुई भगदड़ में आठ लोगों की मौत के बाद शुक्रवार को बिहार सरकार की आलोचना की। पत्रकारों से बात करते हुए यादव ने इस त्रासदी के लिए मंदिर प्रशासन और समाज के कुप्रबंधन को जिम्मेदार ठहराया और राज्य में पहले हुई भगदड़ की घटनाओं का जिक्र किया। यादव ने मंदिर अधिकारियों पर धर्म की आड़ में श्रद्धालुओं का शोषण करने का आरोप लगाते हुए इसे अनैतिक बताया।

पप्पू यादव ने कहा कि कुप्रबंधन इसके लिए जिम्मेदार है और समाज एवं मंदिर प्रशासन दोनों ही इसके लिए उत्तरदायी हैं। ऐसा लगता है मानो यहाँ कोई सरकार ही नहीं है ङ्क जहाँ क्या हो रहा है, अधिकारियों को इसकी कोई परवाह नहीं है। यह कोई एक बार की घटना नहीं है; इसी तरह की एक घटना जहानाबाद में भी हुई थी जहाँ भगदड़ मच गई थी। इस तरह की भगदड़ बार-बार देखने को मिल रही है। आयोजकों और मंदिर अधिकारियों का व्यवहार और उनके काम करने का तरीका, साथ ही श्रद्धालुओं के प्रति उनका रवैया, आस्था और ईश्वर के नाम पर शोषण की प्रवृत्ति को दर्शाता है, जो पूरी तरह से अनैतिक है। नालंदा जिला मजिस्ट्रेट ने बुधवार को पुष्टि की कि मां शीतला मंदिर में भगदड़ में आठ लोगों की मौत हो गई, जबकि आठ अन्य को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

मेरे साथ अन्याय हुआ, सत्य की जीत : अमित जोगी

» हाईकोर्ट के फैसले पर बोले कांग्रेस छत्तीसगढ़-जोगी (जेसीसी-जे) के सुप्रीमो

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित राम अवतार जग्गी हत्याकांड केस में जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़-जोगी (जेसीसी-जे) के सुप्रीमो अमित जोगी की प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने कहा कि कोर्ट ने उन्हें दोषी मानते हुए तीन सप्ताह में सरेंडर करने का आदेश दिया है।

आज उच्च न्यायालय ने मेरे विरुद्ध बिना सुनवाई का अवसर दिए सीबीआई की अपील को मात्र 40 मिनट में स्वीकार कर लिया। मुझे खेद है कि जिस व्यक्ति को अदालत ने दोषमुक्त किया था, उसे बिना सुनवाई के एक भी अवसर दिए दोषी करार दिया गया। यह अप्रत्याशित है। उन्होंने कहा कि अदालत ने मुझे तीन सप्ताह के अंदर सरेंडर करने का समय दिया है। मुझे लगता है कि मेरे साथ गंभीर अन्याय हुआ है। मुझे पूरा विश्वास है कि सर्वोच्च न्यायालय से मुझे न्याय अवश्य मिलेगा।

मैं न्याय व्यवस्था पर पूरा विश्वास रखता हूं। मैं पूर्ण शांति, आस्था और धैर्य के साथ आगे बढ़ रहा हूं। सत्य की जीत अवश्य होगी। आप सभी से आग्रह है कि मेरे लिए प्रार्थना करें और अपना आशीर्वाद बनाए रखें। आज माननीय उच्च न्यायालय ने मेरे विरुद्ध अपील को मात्र 40 मिनट में स्वीकार कर लिया- बिना सुनवाई का अवसर दिए। मुझे खेद है कि जिस व्यक्ति को अदालत ने दोषमुक्त किया था, उसे बिना सुनवाई का एक भी अवसर दिए दोषी करार दिया गया। यह अप्रत्याशित है। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट से पूर्व सीएम अजीत जोगी के बेटे अमित जोगी को बड़ा झटका लगा है। जग्गी हत्याकांड मामले में कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए अमित जोगी को तीन सप्ताह के अंदर सरेंडर करने का आदेश दिया है। यह फैसला हाईकोर्ट की चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा की डिवीजन बेंच ने सुनाया है। अदालत के आदेश के मुताबिक जोगी को तीन सप्ताह के भीतर सरेंडर करना होगा। विस्तृत जांच रिपोर्ट के आधार पर अमित जोगी पर भी चार्ज भी लगाए गए थे और आज अंतिम सुनवाई के बाद उन्हें दोषी माना गया है। अब उन्हें तीन हफ्ते के अंदर में सरेंडर करना होगा।

दक्षिणी राज्यों में चुनावी रंग और चटक

केरल व तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव में प्रचार में तेजी

- कर्नाटक उपचुनाव में कांग्रेस का पलड़ा भारी
- तमिलनाडु में फिल्म अभिनेता से नेता बने विजय का धमाल
- डीएमके-कांग्रेस व एआईडीएमके- भाजपा को मिल रही चुनौती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दक्षिणी राज्यों में आजकल चुनावी रंग चढ़ा हुआ है। केरल व तमिलनाडु में विस चुनाव में प्रचार शवाब पर है। कांग्रेस, भाजपा, डीएमके एआईडीएमके सभी अपनी-अपनी तैयारी में जुटे है। वहीं कर्नाटक में उपचुनाव में कांग्रेस जीत के लिए भरोसे में है।

इन राज्यों की राजनीति में इस बार मुकाबला और दिलचस्प होता नजर आ रहा है, क्योंकि तमिलनाडु में फिल्म अभिनेता से नेता बने विजय ने अपनी पार्टी तमिलगा वेत्री कझगम के उम्मीदवारों का ऐलान कर दिया है और खुद भी चुनाव मैदान में उतरने का फैसला किया है। मौजूद जानकारी के अनुसार विजय पेरंबूर और त्रिची ईस्ट सीट से चुनाव लड़ेंगे, जो फिलहाल द्रविड़ मुनेत्र कड़गम के कब्जे में हैं। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में अभिनेता विजय की पार्टी के आने से मुकाबला बहुकोणीय हो गया है, जहाँ वह द्रमुक और भाजपा-अन्नाद्रमुक गठबंधन के सामने नशामुक्ति और बेरोजगारी जैसे मुद्दों को लेकर एक प्रमुख विकल्प बनने की कोशिश कर रहे हैं।

नशामुक्त तमिलनाडु पर जोर

मौजूद जानकारी के अनुसार विजय ने अपने चुनावी वादों में नशामुक्त तमिलनाडु, बेरोजगार युवाओं को मासिक सहायता और सरकारी नौकरियों में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए कानून बनाने जैसे मुद्दों को प्रमुखता दी है। उन्होंने कहा कि यह चुनाव उनकी पार्टी और स्टालिन गठबंधन के बीच सीधा मुकाबला है, जिससे संकेत मिलता है कि वह खुद को मुख्य विपक्ष के रूप में स्थापित करने की कोशिश कर रहे हैं। गौरतलब है कि इस चुनाव में एस रामदास की पार्टी और अन्य दलों के साथ एक अलग मोर्चा भी बना है, जबकि सीमान की पार्टी अकेले चुनाव लड़ रही है। ऐसे में यह चुनाव तमिलनाडु की राजनीति में नए समीकरण तय करने वाला साबित हो सकता है।

पार्टी को एक वैकल्पिक राजनीति के तौर पर पेश करने की कोशिश

गौरतलब है कि विजय ने जनता से अपील करते हुए कहा कि पार्टी को एक मौका दिया जाए और सीटी चुनाव चिन्ह को समर्थन दिया जाए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उनके सभी उम्मीदवार एक समान हैं और मतदाता किसी तरह का भेदभाव न करें। उनके बयान से यह साफ होता है कि वह खुद को और अपनी पार्टी को एक वैकल्पिक राजनीति के तौर पर पेश करने की कोशिश कर रहे हैं। राजनीतिक समीकरणों की बात करें तो कोलाथुर सीट से विजय की पार्टी के वी एस बाबू सीधे मुख्यमंत्री एम के स्टालिन को चुनौती देंगे। वहीं चेपॉक सीट पर सेल्वम को उतारा गया है, जहां उनका मुकाबला उपमुख्यमंत्री उधयनिधि स्टालिन से होगा। इसके अलावा पार्टी महासचिव आधव अर्जुना को विल्लीवक्कम और सेंगोट्टैयन को गोबीचेट्टिपालयम से टिकट दिया गया है।

केरल में मोदी का ऐलान

पाई-पाई का हिसाब होगा

पीएम मोदी ने पलक्कड़ की जनसभा में राष्ट्रीय सुरक्षा और स्थानीय राजनीति को जोड़ते हुए पश्चिम एशिया युद्ध में भारतीयों की सुरक्षा का आश्वासन दिया और कांग्रेस की बयानबाजी की आलोचना की। उन्होंने एलडीएफ-यूडीएफ पर मिले होने का आरोप लगाते हुए केरल में भ्रष्टाचार खत्म कर विकास करने का संकल्प लिया। जनसभा को संबोधित करते हुए भाजपा के चुनाव अभियान की शुरुआत की। इस दौरान उन्होंने राज्य की एलडीएफ सरकार और कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि केरल की जनता अब बदलाव चाहती है और एनडीए का लक्ष्य राज्य के लोगों के सपनों को पूरा करना है। प्रधानमंत्री ने दुनिया के मौजूदा हालातों का जिक्र करते हुए कहा कि पश्चिमी एशिया में चल रहे युद्ध पर भारत की पैनी नजर है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सरकार कोशिश कर रही है कि इस युद्ध का भारत पर कम से कम असर पड़े। केरल के कई लोग उन युद्धग्रस्त इलाकों में काम कर रहे हैं, जिनकी सुरक्षा के लिए पीएम खुद वहां के राष्ट्र सध्यक्षों से संपर्क में हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के लिए भारतीयों के हितों की सुरक्षा सबसे ऊपर है, जबकि इस मामले पर कांग्रेस की बयानबाजी खतरनाक है।

नारीशक्ति वंदन अधिनियम का किया जिक्र

पीएम मोदी ने महिलाओं की सुरक्षा के मुद्दे पर कांग्रेस को घेरते हुए कहा कि पलक्कड़ में कांग्रेस नेताओं ने महिलाओं की चिंताएं बढ़ाई हैं। उन्होंने हाल ही में एक कांग्रेसी नेता के निष्कासन का जिक्र करते हुए कहा कि केरल की महिलाओं को इन पार्टियों की सच्चाई समझनी चाहिए। उन्होंने जोर दिया कि भाजपा महिला नेतृत्व वाले विकास पर विश्वास करती है, जिसके लिए केंद्र सरकार ने नारीशक्ति वंदन अधिनियम पास किया है ताकि विधानसभा और संसद में महिलाओं की भागीदारी बढ़े। राज्य की आर्थिक स्थिति पर सवाल उठाते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि केरल पर आज 5 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का कर्ज है, जो पिछले 10 साल में तीन गुना बढ़ गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह पैसा विकास के बजाय एलडीएफ की जेबों में गया है। पीएम ने वादा किया कि जब केरल में भाजपा की सरकार आएगी, तो भ्रष्ट लोगों से पाई-पाई का हिसाब लिया जाएगा और उनकी अवैध संपति वापस लेकर राज्य के विकास में लगाई जाएगी।

इस बार मुकाबला बहुकोणीय

बता दें कि राज्य की सभी 234 विधानसभा सीटों पर एक ही चरण में 23 अप्रैल को मतदान होना तय है। गौरतलब है कि इस बार मुकाबला बहुकोणीय हो गया है, जिसमें एम के स्टालिन की अगुवाई वाली सत्ताधारी पार्टी के सामने कई मोर्चों से चुनौती मिल रही है। एक तरफ भारतीय जनता पार्टी और अन्नाद्रमुक का गठबंधन वापसी की कोशिश में है, वहीं विजय की पार्टी पहली बार चुनाव में उतरकर बड़ा प्रभाव छोड़ने की तैयारी में है। विजय ने उम्मीदवारों की घोषणा करते हुए कहा कि यह सिर्फ नामों का ऐलान नहीं, बल्कि जनता के रक्षकों को सामने लाने की प्रक्रिया है। उन्होंने साफ कहा कि उनकी पार्टी के उम्मीदवार आम पृष्ठभूमि से आते हैं और राजनीति में साफ-सुथरी छवि के साथ काम करने का इरादा रखते हैं। मौजूद जानकारी के अनुसार उन्होंने अप्रत्यक्ष रूप से सत्ताधारी दल के कुछ नेताओं पर भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर निशाना भी साधा है।

डीएमके ने उम्मीदवारों की सूची जारी की

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और डीएमके प्रमुख एमके स्टालिन ने शनिवार को उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की, जिसमें बोदिनायक्कनूर सीट से ओ पन्नीरसेल्वम और कोयंबटूर दक्षिण से पूर्व मंत्री सेंथिल बालाजी का नाम शामिल है। डीएमके प्रमुख ने घोषणा की कि उनकी पार्टी तमिलनाडु विधानसभा की 234 सीटों में से 164 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। कांग्रेस राज्य में 28 सीटों पर चुनाव लड़ेगी, जबकि डीएमडीके को 10 सीटें, वीसीके को 8 सीटें और सीपीआई और सीपीएम को पांच-पांच सीटें आवंटित की गई हैं। डीएमके प्रमुख और मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने चेन्नई में पार्टी उम्मीदवारों की सूची जारी की। पार्टी ने बोदिनायक्कनूर से ओ. पन्नीरसेल्वम को मैदान में उतारा है, जबकि मुख्यमंत्री स्टालिन को कोलाथुर से और उपमुख्यमंत्री उदयनिधि को चेपॉक-ट्रिप्लिकेन से पुनः नामांकित किया गया है। पूर्व मंत्री सेंथिल बालाजी 23 अप्रैल को होने वाले चुनाव में कोयंबटूर दक्षिण से चुनाव लड़ेंगे। राज्य में डीएमके धर्मनिरपेक्ष प्रगतिशील गठबंधन (एसपीए) का नेतृत्व कर रही है। बनी सहमति के मुताबिक, डीएमके की प्रमुख सहयोगी कांग्रेस की 28 सीटों में पोन्नेरी, इरोड ईस्ट, विलावनकोड, शिवकाशी और करईकुडी शामिल हैं। प्रेमलता विजयकांत के नेतृत्व वाली डीएमडीके को पहले ही 10 सीटें आवंटित की गई हैं, और उनमें वृद्धाचलम और पल्लावरम शामिल हैं। थोल थिरुमावलवन के नेतृत्व वाली विदुथलाई चिरुथिगल काची (वीसीके) आवंटित आठ सीटों, कट्टुमन्नारकोइल, पनरुत्ती और तिंडीवनम में से चुनाव लड़ेगी। सीपीआई (एम) को पद्मनाभपुरम और पलानी सीटें आवंटित की गई हैं, जबकि सीपीआई थल्ली और भवानीसागर (एससी) सहित अन्य सीटों से चुनाव लड़ेगी। दोनों वामपंथी दलों को पांच-पांच सीटें दी गई हैं। डीएमके ने अन्य सहयोगी दलों के लिए भी सीटें निर्धारित की हैं, जिनमें वाइको के नेतृत्व वाली एमडीएमके भी शामिल है, जो चार सीटों पर चुनाव लड़ेगी, जिनमें से तीन सीटें डीएमके के उगते सूरज चिन्ह पर होंगी। एमडीएमके को मदुरै दक्षिण सीट भी आवंटित की गई है।

बागलकोट विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार को मिल रहा जनसमर्थन : सिद्धारमैया

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि बागलकोट विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार उमेश मेती को मिल रहा जनसमर्थन उम्मीद से कहीं अधिक है। चुनाव प्रचार के दौरान पत्रकारों से बात करते हुए सिद्धारमैया ने कहा कि उपचुनाव का माहौल कांग्रेस के लिए अनुकूल है। उन्होंने उमेश मेती की जीत पर विश्वास जताया, जो अपने पिता एच.वाई. मेती के निधन के बाद खाली हुई सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। मुख्यमंत्री ने दिवंगत एच.वाई. मेती के योगदान को भी रेखांकित करते हुए कहा कि उन्होंने बागलकोट के विकास के लिए अथक परिश्रम किया और सभी वर्गों की समृद्धि के लिए काम किया। बागलकोट में अपने व्यापक प्रचार अभियान पर भाजपा की टिप्पणी का जवाब देते हुए सिद्धारमैया ने कहा कि कर्नाटक में विपक्षी दल हार के डर से ऐसे बयान दे रहा है। उन्होंने आगे कहा कि दिवंगत विधायकों के परिवारों को टिकट देना कांग्रेस की परंपरा है और उन्होंने बताया कि दावणगेरे और बागलकोट दोनों जगहों पर ऐसे फैसले लिए जा चुके हैं। मुख्यमंत्री पद को लेकर भाजपा नेता नारायणस्वामी की टिप्पणियों पर सिद्धारमैया ने कहा कि वे कांग्रेस हाई कमांड के फैसलों का पालन करेंगे और भाजपा के बयानों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं देंगे।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जनगणना की प्रक्रिया सबकी भूमिका अहम

जनसंख्या एक ऐसी समस्या है जो देश के विकास, संसाधनों, पर्यावरण और लोगों के जीवन स्तर पर सीधा असर डालती है। एक तरफ जहाँ देश तरक्की की राह पर आगे बढ़ रहा है, वहीं दूसरी तरफ बढ़ती आबादी उस तरक्की को खा जा रही है। सड़कों पर भीड़, अस्पतालों में लंबी कतारें, स्कूलों में जगह की कमी और बेरोजगारी– ये सब बढ़ती जनसंख्या के प्रत्यक्ष परिणाम हैं।

बुधवार से जनगणना की प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। भारत आज दुनिया का सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश बन चुका है। 2024 में भारत की जनसंख्या लगभग 145 करोड़ को पार कर गई है। सरकार को चाहिए की यह पूरा कार्यक्रम केवल औपचारिकता न रह जाए। चूंकि 2021 की जनगणना नहीं हो पाई थी इसलिए पूरी जिम्मेदारी से हर प्रकार के आंकड़े आने चाहिए ताकि आम भारतीय को पता चल सके कि पिछले 15 सालों में देश में किमना कु छ बदला है। सरकार के साथ आम जनता को भी सारी बातें सहीं बतानी होगी। ये जनगणना देश के संसाधनों की जानकारी लेने का एक सटीक माध्यम बन सकता है। जनसंख्या एक ऐसी समस्या है जो देश के विकास, संसाधनों, पर्यावरण और लोगों के जीवन स्तर पर सीधा असर डालती है। एक तरफ जहाँ देश तरक्की की राह पर आगे बढ़ रहा है, वहीं दूसरी तरफ बढ़ती आबादी उस तरक्की को खा जा रही है। सड़कों पर भीड़, अस्पतालों में लंबी कतारें, स्कूलों में जगह की कमी और बेरोजगारी– ये सब बढ़ती जनसंख्या के प्रत्यक्ष परिणाम हैं। इस लेख में हम बढ़ती जनसंख्या से होने वाले नुकसानों को समझेंगे और उन पारंपरिक विचारधाराओं का खंडन करेंगे जो अधिक संतान पैदा करने को प्रेरित करती हैं। जब किसी परिवार में कमाने वाला एक होता है और खाने वाले दस, तो गरीबी अपने आप आ जाती है।

यही बात पूरे देश पर लागू होती है। भारत में उत्पादन बढ़ रहा है, लेकिन उससे कहीं ज्यादा तेजी से आबादी बढ़ रही है। नतीजा यह होता है कि प्रति व्यक्ति आय कम रह जाती है। करोड़ों लोग आज भी दो वक्त की रोटी के लिए जूझ रहे हैं। गरीबी का सीधा संबंध अधिक जनसंख्या से है। हर साल लाखों युवा पढ़-लिखकर नौकरी ढूँढने निकलते हैं, लेकिन नौकरियाँ उतनी तेजी से नहीं बढ़तीं जितनी तेजी से लोग बढ़ रहे हैं। एक सरकारी पद के लिए लाखों आवेदन आते हैं। इससे निराशा, अपराध और सामाजिक अस्थिरता बढ़ती है। अगर जनसंख्या नियंत्रित होती तो हर हाथ को काम मिलना आसान होता। सरकारी स्कूलों में एक कक्षा में 60-70 बच्चे बैठते हैं, जहाँ शिक्षक का ध्यान हर बच्चे पर देना असंभव हो जाता है। सरकारी अस्पतालों में मरीजों की इतनी भीड़ होती है कि डॉक्टर को एक मरीज को देखने के लिए मुश्किल से दो मिनट मिलते हैं। बढ़ती आबादी के कारण सरकार चाहकर भी हर व्यक्ति तक अच्छी शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधा नहीं पहुँचा पाती। ज्यादा लोग यानी ज्यादा जमीन की जरूरत, ज्यादा पानी की खपत, ज्यादा प्रदूषण और ज्यादा कचरा। जंगल काटकर बस्तियाँ बसाई जा रही हैं, नदियाँ प्रदूषित हो रही हैं, भूजल का स्तर गिर रहा है। जलवायु परिवर्तन का एक बड़ा कारण अनियंत्रित जनसंख्या वृद्धि है। अगर यही रफ्तार जारी रही तो आने वाली पीढ़ियों को साफ पानी और स्वच्छ हवा भी नसीब नहीं होगी।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

दुश्मनों पर निगाह रहे और सभी से संवाद

ज्योति मल्होत्रा

विदेश मंत्री एस. जयशंकर बिल्कुल सही थे जब उन्होंने गत सप्ताह की शुरुआत में पश्चिम एशिया संकट पर हुई सर्वदलीय बैठक में कहा था कि 'भारत कोई दलाल देश नहीं है'। जयशंकर, जो खुद एक पूर्व राजनयिक हैं और शब्दों का महत्व समझते हैं, उन्होंने हिंदी शब्द 'दलाल' का उपयोग किया, जिसका अर्थ है बिचौलिया, जब विपक्षी नेताओं ने उनसे ईरान के खिलाफ अमेरिका और इस्राइल के चल रहे चार हफ्ते लंबे युद्ध को खत्म करवाने में पाकिस्तान की भूमिका के बारे पूछा। समझा जा सकता है कि जयशंकर गुस्से में थे। माननीय सांसद स्पष्ट पूछ रहे थे और, इस तरह फारस की खाड़ी में जारी संघर्ष में भारत की स्थिति की पाकिस्तान से तुलना कर रहे थे। ऐसा लगता है कि पाकिस्तान का सैन्य-प्रतिष्ठान, जिसकी अगुवाई डोनाल्ड ट्रंप के 'पसंदीदा फील्ड मार्शल' आसिम मुनीर कर रहे हैं, ईरान और अमेरिका के बीच संदेशों का आदान-प्रदान कर रहा है, जिसने ट्रंप को 6 अप्रैल तक युद्ध विराम की घोषणा करने में मदद की है।

पाकिस्तान ने वार्ताओं की मेजबानी करने की पेशकश की है; तुर्कीए और मिस्र अन्य संभावित स्थल हैं। किसी भी ढंग से देखें, पिछले 48 घंटों में पाकिस्तान वैश्विक सुर्खियों में अपनी जगह बना पाया है। हो सकता है कि आगामी हफ्तों में इसका नतीजा न निकले। क्या पता, ट्रंप अभी भी ईरान पर जमीनी हमले का आदेश दे दें। लेकिन सर्वदलीय बैठक में मौजूद उन सांसदों ने, जिन्हें अन्यथा मुख्यतया केरल, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और असम में होने वाले आगामी चुनावों को लेकर ज्यादा चिंता है, स्पष्टतया भांप लिया कि कुछ तो गंभीर गड़बड़ है; सिर्फ इसलिए नहीं कि उनके घरों में प्रयोग होने वाले गैस सिलेंडरों की कीमतें बढ़ गई हैं। स्पष्टत: जयशंकर को खफा होने का हक है। पाकिस्तानी सैन्य-प्रतिष्ठान, जो दशकों से निर्दोष भारतीयों पर एक के बाद एक भयानक हमलों का सूत्रधार रहा है, मुंबई से लेकर पहलगाम तक, जिन्होंने बार-बार लोगों की जान ली है, इन जघन्य अपराधों के लिए उसकी जवाबतलबी होनी चाहिए, न कि दुनिया का सबसे शक्तिशाली व्यक्ति यानी अमेरिकी राष्ट्रपति उसकी तारीफ में कसीदे पढ़े।

शायद यह भारत के लिए आत्म-मंथन करने का उचित अवसर है कि हम एक प्राचीन और अद्वितीय सभ्यता के लोग इस आधुनिक और तेज रफ्तार दुनिया में आखिर किस दिशा की ओर आगे बढ़ रहे हैं। भारतीय लोग विदेश

नीति के मुद्दों पर ज्यादा ध्यान नहीं देते- इसी से संतुष्ट हैं कि अटल बिहारी वाजपेयी, मनमोहन सिंह और नरेंद्र मोदी जैसे विभिन्न प्रधानमंत्री हमें विदेशों के बड़े और बुरे प्रभावों से ज्यादातर सुरक्षित रखते रहे हैं। कुछ बातें हम जानते हैं। पहली, कि भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है, भले ही प्रति व्यक्ति आय के मामले में हम देशों की सूची में 140 वें स्थान पर हैं। दूसरी, भारतीय प्रवासियों का प्रभाव तेजी से बढ़ रहा है, खासकर अमेरिका में। और तीसरी, विश्व मंच पर भारत का मुख्य प्रतिद्वंद्वी चीन है, न कि छोटा सा पाकिस्तान। तब फिर, अदना सा पाकिस्तान, युद्धरत अमेरिका और ईरान के बीच मध्यस्थता की पेशकश करके भारत से आगे क्यों निकल गया- इससे भी अहम यह कि दुनिया उसकी सुन क्यों रही है? चलिए, एक कदम पीछे हटें। शायद हम गलत सवाल पूछ रहे हैं। सही सवाल यह नहीं कि क्या पाकिस्तान भारत से आगे निकलने में सफल रहा- वह खेल कई तरीकों से और कई मौकों पर खेला जा सकता है- बल्कि क्या भारत अपनी उस छवि पर टिक पाया है, एक ऐसा राष्ट्र, जिसके केंद्र में एक खास नैतिकता रही है; वह जिस पर हम स्वतंत्रता आंदोलन के समय से ही मजबूती से टिके रहे, जो कभी-कभार व्यावहारिक कारणों से थोड़ा भटक जाने की इजाजत देता है (मसलन, जब नेतन्याहू गाजा पर बमबारी करते हैं या जब व्लादिमीर पुतिन यूक्रेन पर हमला करते हैं, तब चुप रहना), लेकिन फिर भी वह देश, जो किसी अनैतिक या अन्यायपूर्ण लड़ाई का समर्थन नहीं करता। यही भारत की सबसे बड़ी ताकत है-अपनी धुरी की ओर लौटने की जरूरत।

इसलिए, भले मेजबान बेंजामिन नेतन्याहू द्वारा अमेरिका संग मिलकर ईरान को तबाह करने के मंसूबे से हवाई हमले का आदेश देने से दो दिन पूर्व मोदी इस्राइल गए थे, लेकिन सच यह कि मोदी सरकार को उसके बाद अमेरिका-इस्राइल का खुलकर पक्ष लेने वाली अपनी पूर्व स्थिति छोड़ने पर मजबूर होना पड़ा है। भारत ने शायद ट्रंप और नेतन्याहू की तरह ही सोचा था कि ईरान धरती के सबसे ताकतवर देशों का मुकाबला नहीं कर पाएगा। यह भी कि किसी भी सूरत में, अमेरिका-इस्राइल-यूएई त्रिकोण में उसके बहुत बड़े हित हैं- व्यापार, प्रवासी, रक्षा-और अपना शुरुआती रुख अपनाने से कुछ 'ब्राउनी पॉइंट्स' (अतिरिक्त लाभ) मिल सकेंगे। बदकिस्मती से, वैसा हुआ नहीं।

विवादों से दूर रह रिश्ते सुधार सकते हैं बालेन

पुष्परंजन

अच्छा हुआ, नेपाल की पूर्व विदेशमंत्री आरजू राणा भारत में नहीं हैं। वो होतीं, तो शेख हसीना जैसा शरण और प्रत्यर्पण वाला इश्यू खड़ा हो जाता। 19 अगस्त, 2024 को जब वो भारत आईं, विदेशमंत्री एस. जयशंकर ने अपने पर्सनल अकाउंट से ट्वीट किया था, 'नेपाल की डॉ. आरजू राणा देउबा का विदेश मंत्री के तौर पर भारत की अपनी पहली यात्रा पर स्वागत है। हम अपनी बातचीत का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।' आरजू राणा की शख्सियत खास इसलिए भी है, क्योंकि वो नेपाल में पांच बार प्रधानमंत्री रह चुके शेरबहादुर देउबा की श्रीमती जी हैं। पिछले महीने, जब नेपाल पुलिस की अनुसंधान शाखा, (सीआईबी) और मनी लॉन्ड्रिंग पर नज़र रखने वाले महकमे सम्पत्ति शुद्धीकरण अनुसन्धान विभाग (डीएमएलएआई) के अधिकारी उन्हें तलाश रहे थे, तब आरजू राणा भारत में थीं।

ये जो कुछ हो रहा है, उसके पटकथा लेखक, पूर्व उपप्रधानमंत्री व पत्रकार रबि लामिछाने हो सकते हैं। मान्यवर, करोड़ों रुपये के गबन और मनी लॉन्ड्रिंग के गंभीर मामले में जेल में थे। जेन-जी आंदोलन के समय जिन्हें छुड़ाने के क्रम में फायरिंग हुई, और दस कैदी मारे गए थे। इस तरह की चर्चा, कि आरएसपी सरकार का मुखिया गबन और मनी लॉन्ड्रिंग मामले का सजायाफ्ता रहा है, बालेन्द्र सरकार को असहज कर रही थी। अब यह कह सकते हैं, कि देखो, जो बरसों से सत्ता में रहे हैं, वो भी कोई परमहंस नहीं हैं। बहरहाल, आरजू राणा देउबा को दिल्ली से सिंगापुर, जैसे-तैसे रवाना किया गया। लेकिन, सोमवार को पता चला, कि अब आरजू राणा देउबा हांगकांग में घुटनों के इलाज के लिए गई हैं। यों, नेपाल और हांगकांग के बीच कोई औपचारिक प्रत्यर्पण समझौता नहीं है। चुनांचे, आरजू राणा देउबा ने सुरक्षित ठिकाना ढूंढ़ लिया है। खैर, जो होता है, अच्छे के लिए होता है। भारत पहले से शेख हसीना के प्रत्यर्पण वाले कूटनीतिक विवाद में उलझा हुआ था, उसके लिए एक नया बखेड़ा नेपाल से शुरू हो जाता।

इस समय नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री ओली और नेपाली कांग्रेस के नेता व पूर्व मंत्री दीपक खड़का की गिरफ्तारी से माहौल गरमाया हुआ है। अदालत में इसे चुनौती दी गई है, जिसपर सुनवाई सरकार द्वारा जवाब मिलने के बाद होगी। धनशोधन का आरोप पूर्व प्रधानमंत्री प्रचंड पर भी है। मनी लॉन्ड्रिंग के लांछन से मिस्टर एंड मिसेज देउबा, उनके बेटे जयवीर सिंह देउबा, उनके साले भूषण राणा मुक्त नहीं हैं। ये लोग देश से बाहर हैं। लगता है, देउबा कुनबा चैन की सांस नहीं ले पायेगा। राणा काल से ही भारत, नेपाली नेताओं को राजनीतिक शरण देने के वास्ते सबसे सुरक्षित मुकाम माना जाता है। देउबा विवाद से दिल्ली बच तो गई, लेकिन, यह न मान लें कि मतभेदों से मुक्ति मिल गई। जून, 2026 से 17 हजार 500 फीट ऊंचाई वाले दुर्गम लिपुलेख दर्रे के बरास्ते भारत-चीन के बीच व्यापार की शुरुआत होनी है। केपी शर्मा ओली इसका विरोध दर्ज कराने पिछले साल पेइचिंग पहुंच गए थे। चीन ने पल्ला झाड़ा, तो कम्युनिस्ट नेता निराश होकर चुप्पी लगा गए। अब नेपाल का नया निजाम इसे कैसे हैंडल करता है, यह देखना बाकी है। लिपुलेख दर्रे पर नेपाली दावेदारी के वास्ते एक फर्जी 'चुच्चे नक्शा' संसद में पास करा लिया गया था। नेपाली में 'चुच्चे' का मतलब 'नुकीला' होता है।

लिपुलेख दर्रे की भू-सामरिक स्थिति नुकीली है। उपलब्ध दस्तावेज बताते हैं, भारत और चीन के बीच लिपुलेख दर्रे से होकर गुजरने वाला यह सबसे प्राचीन व्यापार मार्ग है, जो भारत के उत्तराखंड को तिब्बत के तकलाकोट (पुरंग) से जोड़ता है। सदियों से भोटिया व्यापारी, विशेष रूप से लोग, ऊन, मसाले और कृषि उत्पादों के आदान-प्रदान के लिए इस मार्ग का उपयोग करते आ रहे हैं। उस दौर में भारतीय मसालों, वस्त्रों और गुड़ के बदले तिब्बती ऊन, रेशम और बोरेक्स का आदान-प्रदान 'बार्टर सिस्टम' के जरिये किया जाता था। इसे 'कैलास मानसरोवर यात्रा पथ' के रूप में भी मान्यता प्राप्त है। 1962 के भारत-चीन युद्ध में इस मार्ग के बंद होने के बाद, 1992 में इसे व्यापार के लिए फिर से खोला गया, और यह युद्धोपरांत व्यापार के लिए पहली आधिकारिक चौकी बन गया। कठोर मौसमी परिस्थितियों के कारण, यहां आवागमन आमतौर पर जून और सितंबर के बीच ही संचालित होता है। यह चीन के साथ तीन व्यापारिक चौकियों में से पहली थी, जिसके बाद हिमाचल प्रदेश का शिपकी ला दर्रा (1994) और सिक्किम के नाथू ला (2006) का नंबर आया।

नेपाल ने लिपुलेख-लिम्पियाधुरा और कालापानी क्षेत्र से संबंधित सवाल सबसे पहले 1991 में भारत के साथ उठाया था। यह मुद्दा उस समय सामने आया जब 1990 में नेपाल में राजशाही से लोकतांत्रिक सरकार में बदलाव हुआ, और नई सरकार ने सुगौली संधि के तहत सीमा निर्धारण पर आपत्तियां जताई थीं। उस समय नेपाली कांग्रेस के नेता गिरिजा प्रसाद कोइराला देश के प्रधानमंत्री थे। इसलिए कोई यह नहीं कह सकता, कि यह केवल नेपाली कम्युनिस्टों या प्रतिक्रियावादियों का मुद्दा था। यह मामला 2020 तक धीरे-धीरे सुलगता रहा। मगर, सवाल है, जिस मार्ग से 1962 से पहले भी भारत-चीन व्यापार करते रहे, वह नेपाल का कैसे हो गया? वर्ष 1816 की सुगौली संधि में लिपुलेख व लिम्पियाधुरा को स्पष्टतया नेपाल का हिस्सा, या भारत का भाग मानने पर विवाद है। नदी के उद्गम स्थल पर दोनों देशों के अलग-अलग दावे हैं, जिस कारण यह क्षेत्र विवादित है।

घर पर बनाएं राजस्थानी दाल बाटी चूरमा

अगर आपको तरह-तरह का खाना पकाने और खाने का शौक है तो रोज की सब्जी रोटी से अलग पकवान तो जरूर ट्राई किए होंगे। पंजाब का छोला भटूरा और तमिलनाडु का डोसे का स्वाद तो लोग अक्सर ही लेते हैं लेकिन क्या राजस्थानी दाल बाटी चूरमा कभी घर पर बनाया है। दाल बाटी चूरमा राजस्थान की मिट्टी, मेहनत और मेहमाननवाजी का स्वदा है। जब घर में दाल बाटी चूरमा बनता है तो रसोई से खुशबू के साथ परंपरा भी निकलती है। इसे बनाना भी काफी आसान है। दाल बाटी चूरमा बनाने के लिए न तो घंटों की मशक्कतत करने की जरूरत है और ना ही बहुत अधिक मेहनत।

चूरमा की सामग्री

गेहूं का आटा - 2 कप, सूजी- 2 टेबलस्पून, देसी घी- 3 टेबलस्पून, नमक- स्वादानुसार, अजवाइन- आधा टीस्पून, पानी- गूंधने के लिए।

दाल के लिए सामान

अरहर दाल – ¼ कप, चना दाल – ¼ कप, मूंग दाल – ¼ कप, उड़द दाल- 2 टेबलस्पून, मसूर दाल - 2 टेबलस्पून, हल्दी – ½ टीस्पून, लाल मिर्च - स्वादानुसार, धनिया पाउडर - 1 टीस्पून, हींग - चुटकी भर, घी - 2 टेबलस्पून, नमक- स्वादानुसार।

विधि

सबसे पहले बाटी बनाने के लिए गेहूं के आटे में सूजी, नमक, अजवाइन और घी मिलाएं। थोड़ा-थोड़ा पानी डालकर कड़ा आटा गूंध लें। आटे की लोइयां बनाकर गोल बाटी का आकार दें। कुकर, ओवन या गैस पर ढके तवे में धीमी आंच पर सेंकें। जब बाटी ऊपर से सुनहरी हो जाए, तो निकालकर घी में डुबो दें। बाटी हमेशा धीमी आंच पर पकाएं।

फिर दाल बनाने के लिए पंचमेल दाल बनाने की विधि सारी दालें धोकर 30 मिनट भिगो दें। कुकर में दाल, हल्दी, नमक डालकर 3-4 सीटी तक पकाएं। कढ़ाही में घी गर्म करें, हींग डालें। लाल मिर्च और धनिया पाउडर डालकर तड़का तैयार करें। तड़का दाल में डालें और 5 मिनट धीमी आंच पर उबालें। ध्यान दें दाल न ज्यादा गाढ़ी हो और ना ही ज्यादा पतली हो। दाल में हींग ज़रूर डालें। वहीं चूरमा बनाने के लिए गेहूं के आटे में घी डालकर सख्त आटा गूंध लें। मोटी रोटी या छोटे लड्डू बनाकर धीमी आंच पर सेंक लें। ठंडा होने पर हाथों से या मिक्सर में दरदरा पीस लें। इसमें गुड़/चीनी, इलायची और ड्राई फ्रूट मिलाएं। ऊपर से थोड़ा घी डालकर अच्छे से मिला लें। चूरमा ज्यादा महीन न पीसें।

परोसने का सही तरीका

गरम बाटी को तोड़ें, ऊपर से घी डालें, साथ में पंचमेल दाल और अंत में मीठा चूरमा डालें।

आलू, लौकी और तोरई के छिलके से बनाएं लजीज स्नैक्स

भारतीय घरों में रखा कोई भी सामान कूड़ा नहीं होता। उससे कुछ ना कुछ नया बनाया जा सकता है लेकिन क्या ये नियम भारतीय रसोई पर भी लागू होता है? जी हां, बिल्कुल लागू होता है। भारतीय रसोई में रोज सब्जियों के छिलके के कूड़ा समझकर फेंक दिया जाता है। आलू, लौकी और तोरई जैसी सब्जियों के छिलकों को हम बेकार समझ लते हैं लेकिन ये स्वाद और पोषण का खजाना होता है। दादी और नानी के जमाने में जीरो वेस्ट किचन जीवन का एक हिस्सा था। आप भी इसे अपनाकर वेस्ट से वंडर यानी छिलकों से लजीज व्यंजन बना सकते हैं। तो आप भी सब्जियों के छिलके से लजीज स्नैक्स बनाएं जिन्हें चखकर कोई अंदाजा भी नहीं लगा पाएगा कि ये छिलको से तैयार की गई रेसिपी है।

आलू छिलका के चिप्स

सामग्री

आलू के छिलके, नमक स्वादानुसार, लाल मिर्च पाउडर, चाट मसाला, तेल (तलने या एयर फ्राई के लिए)।

विधि

आलू के छिलकों को अच्छी तरह धोकर 10 मिनट नमक वाले पानी में भिगो दें फिर पानी निकालकर सूखा लें, अब मसाले मिलाएं, कढ़ाही में मध्यम आंच पर सुनहरा होने तक इसे तलें। अगर चाहें तो एयर फ्रायर में भी बना सकते हैं। ये बाहर से कुरकुरे, अंदर से हल्के होते हैं और चाय के साथ परफेक्ट स्नैक बन जाते हैं।

लौकी छिलके के पकौड़े

सामग्री

लौकी के छिलके (बारीक कटे), बेसन, अजवाइन, हरी मिर्च, नमक, तेल।

विधि

छिलकों में बेसन, नमक, अजवाइन और मिर्च मिलाएं अब थोड़ा पानी डालकर गाढ़ा घोल बनाएं, गरम तेल में छोटे-छोटे पकौड़े तलें, बारिश के मौसम में यह स्नैक चाय की शान बढ़ा देता है।

तोरई छिलके के स्नैक्स

सामग्री

तोरई के छिलके, उबला आलू, ब्रेड क्रम्ब्स, अदरक-लहसुन पेस्ट, नमक, गरम मसाला, तेल।

विधि

छिलकों को हल्का उबालकर निचोड़ लें, फिर आलू और मसालों के साथ मैश करें, अब टिक्की बनाकर ब्रेड क्रम्ब्स में लपेटें, तवे पर शैलो फ्राई करें, बाहर से क्रिस्पी, अंदर से मुलायम ये स्नैक्स बच्चों को खास पसंद आएगा।

हंसना मना है

मां अपने बेटे से- उठ जा कम्बखत, देख सूरज कब का निकल आया है, बेटा अपनी मां से- तो क्या हुआ मां! वो सोता भी तो मुझसे पहले है।

पहला सरदार- मैंने अपनी वाईफ को 12वीं पास करवाई, फिर, बी. ए.। फिर एम .ए. और उसकी सरकारी जॉब लगवा दी, अब क्या करूं? दूसरा सरदार- अच्छा लड़का देख कर शादी कर दे!

सरदार ट्रेन कि पटरी पर सो गया, एक आदमी बोला ट्रेन आएगी तो मर जायेगा,

सरदार- साले, अभी प्लेन ऊपर से गया, कुछ नहीं हुआ। तो ट्रेन क्या चीज है?

लड़का- यार, मुझे उस लड़की से बचाओ, दोस्त- क्यों? लड़का- जब से मैंने कह दिया है दिल चीर के देख तेरा ही नाम होगा, तो वह 'चाकू' लेके पीछे पड़ गयी है!

गधा- यार मालिक बहुत मारते है? कुत्ता - घर छोड़ दे? गधा- नहीं यार! वो हमेशा बेटी से बोलता है, तेरी शादी गधे से कर दूंगा। बस इसी उम्मीद में बैठा हूं!

कहानी | साधु और चूहा

एक गांव में एक साधु मंदिर में रहा करता था। उनकी दिनचर्या रोजाना प्रभु की भक्ति कराना और आने-जाने वाले लोगों को धर्म का उपदेश देना था। गांव वाले भी जब भी मंदिर आते, तो साधु को कुछ न कुछ दान में दे जाते थे। इसलिए, साधु को भोजन और वस्त्र की कोई कमी नहीं होती थी। रोज भोजन करने के बाद साधु बचा हुआ खाना छींके में रखकर छत से टांग देता था। लेकिन अचानक वह जो खाना छींके में रखता था, गायब होने लगा। एक दिन साधू ने रात को दरवाजे के पीछे से छिपकर देखा कि एक छोटा-सा चूहा उसका भोजन निकालकर ले जाता है। दूसरे दिन उन्होंने छींके को और ऊपर कर दिया, ताकि चूहा उस तक न पहुंच सके, लेकिन यह उपाय भी काम नहीं आया। उन्होंने देखा की चूहा और ऊंची छलांग लगाकर छींके पर चढ़ जाता और भोजन निकाल लेता था। एक दिन उस मंदिर में एक भिक्षुक आया। उसने साधु को परेशान देखा और उसकी परेशानी का कारण पूछा, तो साधु ने भिक्षुक को पूरा किस्सा सुना दिया। भिक्षुक ने साधु से कहा कि सबसे पहले यह पता लगाना चाहिए कि चूहे में इतना ऊंचा उछलने की शक्ति कहां से आती है। उसी रात भिक्षुक और साधु दोनों ने मिलकर पता लगाना चाहा कि आखिर चूहा भोजन कहां ले जाता है। दोनों ने चुपके से चूहे का पीछा किया और देखा कि मंदिर के पीछे चूहे ने अपना बिल बनाया हुआ है। चूहे के जाने के बाद उन्होंने बिल को खोदा, तो देखा कि चूहे के बिल में खाने-पीने के सामान का बहुत बड़ा भण्डार है। तब भिक्षुक ने कहा कि इसी वजह से ही चूहे में इतना ऊपर उछलने की शक्ति आती है। उन्होंने उस सामग्री को निकाल लिया और गरीबों में बांटा दिया। जब चूहा वापस आया, तो उसने वहां पर सब कुछ खाली पाया, तो उसका पूरा आत्मविश्वास समाप्त हो गया। उसने सोचा कि वह फिर से खाने-पीने का सामान इकट्ठा कर लेगा। यह सोचकर उसने रात को छींके के पास जाकर छलांग लगाई, लेकिन आत्मविश्वास की कमी के कारण वह नहीं पहुंच पाया और साधु ने उसे वहां से भगा दिया।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

रोजगार में वृद्धि होगी। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति होगी। निवेश लाभदायक रहेगा।

वृषभ

व्ययवृद्धि से तनाव रहेगा। किसी व्यक्ति के उकसावे में न आएं। विवाद से बचें। पारिवारिक चिंता बनी रहेगी। काम में मन नहीं लगेगा। व्यापार ठीक चलेगा। आय होगी।

मिथुन

बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। लंबी यात्रा हो सकती है। लाभ होगा। नए अनुबंध हो सकते हैं। रोजगार में वृद्धि होगी। रुके कार्य पूर्ण होंगे। प्रसन्नता रहेगी।

कर्क

आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। कोई बड़ा कार्य कर पाएंगे। व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। कार्य पूर्ण होंगे। प्रसन्नता रहेगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। जोखिम न लें।

सिंह

तीर्थदर्शन हो सकता है। सत्संग का लाभ मिलेगा। राजकीय सहयोग से कार्य पूर्ण व लाभदायक रहेंगे। कारोबार मनोनुकूल रहेगा। शेयर मार्केट में जोखिम न लें।

कन्या

वाहन, मशीनरी व अग्नि आदि के प्रयोग से हानि की आशंका है, सावधानी रखें। दूसरों के झगड़ों में हस्तक्षेप न करें। आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलने से क्षोभ होगा।

तुला

शत्रुओं का पराभव होगा। राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। वैवाहिक प्रस्ताव प्राप्त हो सकता है। कारोबार से लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। कार्यसिद्धि होगी।

वृश्चिक

संपत्ति के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। प्रॉपर्टी ब्रोकर्स के लिए सुनहरा मौका साबित हो सकता है। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। रोजगार में वृद्धि के योग हैं।

धनु

मेहनत का फल पूरा नहीं मिलेगा। स्वास्थ्य खराब हो सकता है। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन मिल सकता है। यात्रा मनोरंजक रहेगी।

मकर

लेन-देन में सावधानी रखें। किसी भी अपरिचित व्यक्ति पर अंधविश्वास न करें। शोक संदेश मिल सकता है। विवाद को बढ़ावा न दें। किसी के उकसाने में न आएं।

कुम्भ

मेहनत सफल रहेगी। बिगड़े काम बनेंगे। कार्यसिद्धि से प्रसन्नता रहेगी। आय में वृद्धि होगी। सामाजिक कार्य करने के अवसर मिलेंगे। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी।

मीन

पुराने संगी-साथी व रिश्तेदारों से मुलाकात होगी। नए मित्र बनेंगे। अच्छी खबर मिलेगी। प्रसन्नता रहेगी। कार्यों में गति आएगी। विवेक का प्रयोग करें।

बॉलीवुड | रिलीज डेट टली

धुरंधर 2 यदि गलत थी तो टीएमसी ने रोका क्यों नहीं : मिथुन चक्रवर्ती

आदित्य धर की फिल्म धुरंधर 2- द रिवेंज बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है, लेकिन कुछ लोग इसे प्रोपेगेंडा बता रहे हैं। इन सबके बीच एक्टर और बीजेपी नेता मिथुन चक्रवर्ती ने फिल्म को लेकर बात की है। बता दें कि पश्चिम बंगाल चुनाव को लेकर इन दिनों माहौल गरम है। इसी बीच मिथुन ने पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए कहा कि फिल्मों को लेकर दोहरा रवैया अपनाया जा रहा है। एक्टर आगे कहते हैं, जब आपने बंगाल फाइल्स को रिलीज नहीं होने दिया, इससे बड़ी बात क्या हो सकती है? और अब आप धुरंधर को प्रोपेगेंडा बता रहे हैं। अगर आपको लगता था कि यह फिल्म गलत है, तो आपने इसे रोका क्यों नहीं? साथ ही एक्टर ने आरोप लगाते हुए कहा कि टीएमसी ने बंगाल फाइल्स को देखे बिना ही उसका विरोध करना शुरू कर दिया था। मिथुन कहते हैं, आपने बंगाल फाइल्स की एक भी रील नहीं देखी, लेकिन शुरू से ही उसका विरोध किया और उसे रिलीज नहीं होने दिया। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। अपने बयान में आगे उन्होंने धुरंधर 2 की सफलता का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, इस फिल्म ने कई रिकॉर्ड तोड़े हैं, इसका मतलब यह है कि लोग इसे देखने आए हैं। दर्शक बेवजह किसी फिल्म को हिट नहीं बनाते। अगर फिल्म की कहानी की बात करें, तो धुरंधर 2 एक ऐसे युवक, जसकीरत सिंह, की कहानी है, जिसकी जिंदगी एक दर्दनाक घटना के बाद पूरी तरह बदल जाती है। अपने परिवार के साथ हुए अन्याय के बाद वह बदले की आग में अपराध की दुनिया में कदम रखता है। यही घटना उसके जीवन का टर्निंग पॉइंट बनती है। वहीं, फिर जसकीरत को देश के लिए काम करने का मौका मिलता है।

फिल्म राजा शिवाजी में दमदार अंदाज में छाए रितेश देशमुख

मोस्ट अवेटेड फिल्म 'राजा शिवाजी' का फर्स्ट लुक टीजर रिलीज कर दिया है। फिल्म का टीजर थिएटर में 'धुरंधर: द रिवेंज' के साथ दिखाए जाने के बाद अब डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी उपलब्ध है, जिससे फिल्म को लेकर दर्शकों में उत्साह और बढ़ गया है। जियो स्टूडियोज और मुंबई फिल्म कंपनी पीरियड ड्रामा फिल्म 'राजा शिवाजी' का दमदार फर्स्ट लुक टीजर 'धुरंधर: द रिवेंज' के साथ बड़े पर्दे पर पहले ही लॉन्च कर चुकी है।

'राजा शिवाजी' छत्रपति शिवाजी महाराज की महान विरासत और स्वराज की स्थापना पर आधारित भव्य और प्रेरणादायक फिल्म है, जिसका निर्देशन करने के साथ ही अभिनेता रितेश देशमुख मुख्य भूमिका भी निभाते नजर आएंगे। मेकर्स के अनुसार, यह फिल्म भारत के इतिहास को भव्यता, भावना और आधुनिक प्रस्तुति के साथ पेश करेगी। टीजर में एक ऐसे वीर पुत्र के जीवन की खास अंदाज में झलक दिखाई गई है, जिसने अपने संकल्प और वीरता से इतिहास बदल दिया। फिल्म भारत के महान योद्धा और स्वराज के संस्थापक छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन पर आधारित है। यह एक ऐसे शासक की प्रेरणादायक कहानी है, जिसने संकल्प लिया और बड़ी-बड़ी ताकतों के खिलाफ खड़े होकर स्वतंत्र हिंदवी स्वराज की नींव रखी। टीजर में जोश, भावना और भव्य एक्शन का शानदार मिश्रण है।

फिल्म में रितेश देशमुख के साथ संजय दत्त, अभिषेक बच्चन, विद्या बालन, महेश मांजरेकर, सचिन खेडेकर, बोमन ईरानी, भाग्यश्री, फरदीन खान, जितेंद्र जोशी और अमोल गुप्ते जैसे कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म के संगीत को अजय-अतुल ने तैयार किया है, जबकि सिनेमैटोग्राफी संतोष सिवन ने संभाली है। जियो स्टूडियोज द्वारा प्रस्तुत और मुंबई फिल्म कंपनी के बैनर तले ज्योति देशपांडे और जेनेलिया देशमुख ने इसे प्रोड्यूस किया है। राजा शिवाजी' 1 मई को दुनियाभर के सिनेमाघरों में मराठी, हिंदी के साथ तेलुगु भाषा में रिलीज होगी।

फिल्म दादा में सौरभ गांगुली का किरदार निभायेंगे राजकुमार राव

राजकुमार राव ने अपनी मोस्टअवेटेड फिल्म का ऐलान कर दिया है। ये फिल्म क्रिकेट के धुरंधर खिलाड़ी सौरभ गांगुली की बायोपिक है। इस मूवी का ऐलान खुद राजकुमार राव ने सोशल मीडिया पर किया। राजकुमार ने जैसे ही इस मूवी का ऐलान किया तो सोशल मीडिया पर उन्हें विश करने वालों का तांता लग गया। राजकुमार राव ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का नाम ऐलान करते हुए एक फोटो शेयर की है जो मिनटों में वायरल हो गई। इस मूवी का नाम दादा है। इसके साथ ही एक्टर ने कैप्शन में लिखा-और शुरुआत हो गई... वन एंड ओनली दादा... इसके साथ ही हार्ट वाला आइकन शेयर किया। इस मूवी का ऐलान जैसे ही राजकुमार राव ने किया तो फिल्म इंडस्ट्री के सितारे उन्हें विश करने लगे। अभिषेक बनर्जी ने लिखा- बेस्ट ऑफ लक। हुमा कुरैशी ने फायर वाला आइकन शेयर किया। फराह खान ने लिखा-ऑल द बेस्ट राज।

अपने इस किरदार को निभाने को लेकर राजकुमार राव काफी नर्वस थे। एक्टर ने अपने रोल के बारे में बात करते हुए कहा- मैं घबराया हुआ हूं। ये एक बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। लेकिन, इसमें बहुत मजा आने वाला है।

इस बारे में सौरभ गांगुली ने एक इंटरव्यू में बायोपिक को लेकर बात की। इन्होंने कहा- मुझे लगता है कि सही व्यक्ति को ये भूमिका दी जा रही है। मैं हर तरह से उनकी मदद करूंगा। 1992 से 2008 तक भारत के लिए खेलने वाले पूर्व कप्तान ने बताया कि फिल्म की शूटिंग जनवरी 2026 में शुरू होगी। उसी साल दिसंबर में रिलीज होगी। इसके साथ ही सौरभ गांगुली ने कहा कि राजकुमार को इस फिल्म के लिए फाइनल कर लिया गया है। मुझे नहीं लगता कि कोई और उनसे बेहतर मेरा रोल निभा सकता है। आपको बता दें, राजकुमार राव आखिरी बार मालिक फिल्म में नजर आए थे। ये मूवी साल 2025 में आई थी। इसमें राजकुमार के साथ मानुषी छिल्लर लीड रोल में थीं।

हैंडसम दिखने का अजीबो गरीब ट्रेंड! हथौड़े से ठोंक-ठोंककर जबड़े को दे रहे नया शेप

बीते कुछ समय से लोगों में सुंदर दिखने की ललक काफी बढ़ गई है। सुंदर दिखने की चाहत में लोग सर्जरी से लेकर कई तरह के उपाय तक आजमाने से पीछे नहीं हटते। पहले सुन्दर दिखने की चाह सिर्फ लड़कियों में देखी जाती थी लेकिन अब लड़कों में भी हैंडसम दिखने की होड़ लग है। ये चाह अब खतरनाक रूप ले रही है। यूके समेत कई देशों में 'लुक्समैक्सिंग' नाम का ट्रेंड तेजी से फैल रहा है। इस ट्रेंड में लड़के अपने चेहरे को और आकर्षक बनाने के लिए हथौड़े से मुंह पर वार कर रहे हैं। वे मानते हैं कि हड्डियों को तोड़कर नए सिरे से बनने पर जबड़ा ज्यादा चौड़ा और आकर्षक हो जाएगा। इस खतरनाक ट्रेंड को शुरू करने वाले शख्स को अब पुलिस ने अरेस्ट कर लिया है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि इसमें 10 साल के छोटे बच्चे भी शामिल हो रहे हैं। इस ट्रेंड को सबसे पहले शुरू करने वाले इन्फ्लुएंसर का नाम है ब्रेडन एरिक पीटर्स, जो ऑनलाइन 'क्लेविकुलर' के नाम से मशहूर हैं। 20 साल के इस युवक ने खुद दावा किया कि उन्होंने टेस्टोस्टेरॉन इंजेक्शन लेना 14 साल की उम्र से शुरू किया और जबड़े को शेप देने के लिए हथौड़े से चेहरे पर वार किया। उन्होंने इसे 'बोन स्मैशिंग' नाम दिया। उनका कहना था कि माइक्रो फ्रैक्चर (छोटी-छोटी दरारें) पड़ने से हड्डियां मजबूत और आकर्षक आकार में वापस बनती हैं। क्लेविकुलर के सोशल मीडिया अकाउंट्स पर लाखों फॉलोअर्स हैं। लुक्समैक्सिंग दो तरह का होता है। सॉफ्टमैक्सिंग (जिम, स्किनकेयर, हेयरस्टाइल) और हार्डमैक्सिंग (सर्जरी, स्टेरॉयड, बोन स्मैशिंग)। हार्डमैक्सिंग वाले युवा चेहरे पर हथौड़ा, मुक्का या मसाज गन से वार करते हैं। ब्रेडन ने हार्डमैक्सिंग को बढ़ावा दिया। डॉक्टरों ने इस ट्रेंड को बेहद खतरनाक बताया है। फेशियल सर्जन डॉक्टर जोशुआ रोजेनबर्ग कहते हैं कि हड्डियों को जानबूझकर तोड़ना विज्ञान की गलत समझ है। इससे चेहरे की हड्डियां टूट सकती हैं, नसें क्षतिग्रस्त हो सकती हैं, दांतों में समस्या आ सकती है और चेहरे पर स्थायी विकृति रह सकती है। कई मामलों में संक्रमण का खतरा भी बढ़ जाता है। पुलिस ने हाल ही में क्लेविकुलर को गिरफ्तार किया है। अमेरिका के फ्लोरिडा में उन्हें बैटरी चार्ज (मारपीट का मामला) में पकड़ा गया।

अजब-गजब | सूरज की रोशनी से दूर ये दुनिया

छत्तीसगढ़ के घने जंगलों के बीच 300 फीट गहरी गुफा, जहां रहती हैं बिना आंखों वाली मछलियां!

छत्तीसगढ़ के घने जंगलों के बीच एक ऐसी रहस्यमयी गुफा मौजूद है, जहां हजारों सालों से सूरज की एक भी किरण नहीं पहुंची है। करीब 300 फीट गहराई में फैली यह गुफा काफी विशाल क्षेत्र में फैली हुई है और इसे देश की सबसे गहरी और प्राचीन गुफाओं में गिना जाता है।

इस गुफा के भीतर कई तरह के जीव-जंतु पाए जाते हैं, लेकिन सबसे खास यहां रहने वाली बिना आंखों की मछलियां हैं। ये मछलियां पीढ़ियों से अंधेरे में रह रही हैं और कभी सूरज की रोशनी नहीं देख पाईं। इसी कारण समय के साथ उनकी आंखें विकसित ही नहीं हो सकीं और वे बिना आंखों के ही जीवित रहने के लिए खुद को ढाल चुकी हैं।

इस गुफा को देखकर ऐसा महसूस होता है मानो प्रकृति ने इंसानों से दूर अपनी एक अलग ही दुनिया बसा रखी हो। बस्तर की कांगेर घाटी में जमीन के काफी नीचे छिपी यह जगह किसी रहस्यमयी दुनिया से कम नहीं लगती। जंगल की परतों के नीचे झांकने पर यहां का नजारा किसी एलियन ग्रह जैसा दिखाई देता है। यहां की सबसे बड़ी पहेली हैं बिना आंखों वाली मछलियां लगातार अंधेरे में रहने की वजह से समय के साथ उनकी आंखें खत्म हो गई हैं, लेकिन हैरानी की बात यह है कि वे बिना देखे भी आसानी से रास्ता तय कर लेती हैं। माना जाता है कि ये मछलियां आसपास की वस्तुओं से टकराकर लौटने वाली ध्वनि तरंगों के जरिए दिशा का अंदाजा लगाती हैं और उसी से अपना रास्ता ढूंढ लेती हैं। गुफा की छत से लटकते चूना पत्थर के प्राकृतिक ढांचे किसी शानदार झूमर जैसे दिखाई देते हैं, जो किसी कलाकार की कल्पना से भी आगे लगते हैं। यहां का सन्नाटा इतना गहरा है कि अपनी धड़कन तक साफ सुनाई देती है। माना जाता है कि इस गुफा के कई रास्ते अब भी रहस्यमयी हैं और पूरी तरह खोजे नहीं गए हैं। गुफा के भीतर हमेशा घना अंधेरा रहता है, इसलिए यहां जाने वाले लोगों के लिए टॉर्च साथ ले जाना बेहद जरूरी होता है। वहीं, गुफा तक पहुंचने का रास्ता भी काफी डरावना और चुनौतीपूर्ण है, जो इस जगह को और रोमांचक बना देता है। यही कारण है कि यहां आने वाले पर्यटकों को एडवेंचर का भरपूर अनुभव मिलता है।

एक वकील, हजारों उम्मीदों की आवाज : राजेश्वर सिंह

» विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह, एमएलसी डॉ. महेंद्र सिंह, एमएलसी राम चंद्र प्रधान ने किया स्व. इंद्रदेव सिंह द्वार का लोकार्पण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ में भव्य अधिवक्ता सम्मान समारोह आयोजित

लखनऊ। इंद्रदेव सिंह मेमोरियल सोसायटी के तत्वाधान में कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित स्व. इंद्रदेव सिंह (एडवोकेट) द्वार के लोकार्पण एवं अधिवक्ता सम्मान समारोह कार्यक्रम में विधायक सरोजनीनगर डॉ. राजेश्वर सिंह ने अधिवक्ता परिवार के बीच पूर्व जल शक्ति मंत्री एवं एमएलसी महेंद्र सिंह और एमएलसी रामचंद्र प्रधान के साथ सहभागिता की। डॉ. राजेश्वर सिंह ने कहा कि यह अवसर उनके लिए अत्यंत गर्व का विषय है। कार्यक्रम में स्व. इन्द्रदेव सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने कहा कि उन्होंने वकालत और समाज सेवा के क्षेत्र में अतुलनीय योगदान दिया है, जिसे सदैव स्मरण किया जाएगा।

कानून व राजनीति के क्षेत्र के कई दिग्गज हुए शामिल

लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्रसंघ अध्यक्ष एवं बार एसोसिएशन के अध्यक्ष के रूप में उनके योगदान को याद करते हुए विधायक ने कहा कि स्व. इन्द्रदेव सिंह ने युवाओं और अधिवक्ताओं के लिए जो कार्य किए, वे प्रेरणादायक और अविस्मरणीय हैं। अधिवक्ता सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए डॉ. सिंह ने कहा कि अधिवक्ता परिवार के लिए सामाजिक सुरक्षा कवच सुनिश्चित करने हेतु हर संभव प्रयास किए जाएंगे और इस संबंध में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र भेजा जाएगा। दिवंगत अधिवक्ताओं की धर्मपत्नियों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए डॉ. राजेश्वर सिंह ने कहा कि हर परिस्थिति में वह उनके साथ खड़े हैं। इस अवसर पर 10 मातृशक्तियों को 1-1 लाख की सहायता राशि प्रदान की गई। उन्होंने कहा कि यह सहयोग केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि सम्मान और संवेदना का एक छोटा सा प्रयास है, जिससे उन्हें यह एहसास हो कि वे अकेली नहीं हैं। डॉ. राजेश्वर सिंह ने कहा कि अधिवक्ता परिवार के प्रत्येक सदस्य का सम्मान और सुरक्षा उनकी प्राथमिकता है, और उनके दुख-सुख में साथ निभाना उनका कर्तव्य है। इस अवसर पर स्व. इन्द्रदेव सिंह की धर्मपत्नी नयनतारा सिंह, नोएडा पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह, राजलक्ष्मी सिंह, रामेश्वर सिंह, पूर्व एमएलसी अरविंद कुमार त्रिपाठी, सेवानिवृत्ति न्यायमूर्ति रंगनाथ पांडेय, सेवानिवृत्ति जिला जज आरएन सिंह, परशुराम मिश्रा, जय सिंह, शिव शंकर सिंह शंकरी, राजेश सिंह चौहान, रमेश प्रसाद तिवारी, रितेश सिंह, अनूप मिश्रा, राम नरेश रावत व अन्य अधिवक्तागण उपस्थित रहे।

85 वरिष्ठ वकीलों को किया गया सम्मानित

कार्यक्रम में वरिष्ठ अधिवक्ताओं का सम्मान करते हुए डॉ. सिंह ने कहा कि उनके अनुभव और मार्गदर्शन से नई पीढ़ी को दिशा मिलती है। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ अधिवक्ता केवल विधि के जानकार नहीं, बल्कि न्याय और मूल्यों के सच्चे पथप्रदर्शक हैं, जिनकी तपस्या और समर्पण से ही न्याय व्यवस्था मजबूत बनी है। इस अवसर पर 85 वरिष्ठ अधिवक्ताओं को ऑफिस बैग, शॉल एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। उन्होंने भावुक होकर कहा कि यह सम्मान उनके जीवनभर के संघर्ष, समर्पण और न्याय के प्रति उनकी निष्ठा को नमन है।

20 युवा अधिवक्ताओं को वितरित किए लैपटॉप

देश और प्रदेश में डिजिटल प्रगति का उल्लेख करते हुए विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में न्यायिक प्रणाली भी तेजी से डिजिटल हो रही है, जिसमें करोड़ों पन्नों का डिजिटलीकरण और लाखों मामलों की ई-फाइलिंग शामिल है। डिजिटल युग में अधिवक्ताओं की भूमिका पर बल देते हुए विधायक ने कहा कि अधिवक्ता समाज को भी तकनीकी रूप से सशक्त होने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि आज देश के विभिन्न न्यायालयों में करीब 660 करोड़ पन्नों का डिजिटलीकरण किया जा चुका है और लगभग 10.7

करोड़ मामलों की ई-फाइलिंग की गई है। विधायक ने कहा कि 29 वर्चुअल प्लेटफॉर्म के माध्यम से लगभग 9.81 करोड़ ट्रैफिक चालानों की कार्रवाई हुई है, जिनमें से 8.74 करोड़ का निस्तारण भी किया जा चुका है, जबकि 2444 ई-सेवा केंद्रों के जरिए आम जनता को न्यायिक सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। इसी दिशा में 20 युवा अधिवक्ताओं को लैपटॉप वितरित किए गए तथा 80 अन्य अधिवक्ताओं को भी भविष्य में लैपटॉप प्रदान किए जाएंगे।

एमएलसी प्रधान व महेंद्र सिंह ने अनुभव बताए

कार्यक्रम में मौजूद पूर्व जल शक्ति मंत्री व सदस्य विधान परिषद महेंद्र सिंह ने स्वर्गीय इंद्रदेव सिंह को याद करते हुए कहा 1944 में बलिया में जन्मे इंद्रदेव सिंह वहां से चलकर लखनऊ आते हैं। 1966 में लखनऊ विश्वविद्यालय में पोस्ट ग्रेजुएट करते हैं। विश्वविद्यालय छात्र संघ के अध्यक्ष बनते हैं।

हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाने का आंदोलन खड़ा करते हैं। इसके लिए संसद में जाकर पर्चे तक फेंकने वाले स्वर्गीय इंद्रदेव सिंह को मैं बार-बार नमन करता हूं। इसके आगे उन्होंने सरोजनी नगर विधायक डॉ राजेश्वर सिंह के लिए कहा कि 1952 से अब तक कई विधायक आए और चले गए किंतु जनता जनार्दन के दिलों में राज करने वाले हमारे राजेश्वर सिंह ने इस क्षेत्र में अपनी अलग छाप छोड़ी है। प्रशासनिक कार्य करते हुए भी उनकी कर्तव्यनिष्ठा अतुलनीय रही। कार्यक्रम में एमएलसी रामचंद्र प्रधान ने स्वर्गीय इंद्रदेव सिंह को याद करते हुए कहा कि छात्र जीवन में जब हम लोगों ने राजनीति शुरू की और सरकारों का विरोध शुरू किया तो हमारी सहायता करने के लिए स्वर्गीय इंद्रदेव सिंह सदैव तत्पर रहे। उनकी सहायता व मार्गदर्शन से ही लखनऊ के कई युवाओं को राजनीति के क्षेत्र में आगे बढ़ने का अवसर मिला।

बजट सत्र स्थगित, 16 से 18 अप्रैल तक विशेष सत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद का बजट सत्र 16 अप्रैल तक के लिए स्थगित कर दिया गया है, जहाँ सरकार महिला आरक्षण कानून को तेजी से लागू करने के लिए एक महत्वपूर्ण संविधान संशोधन विधेयक पेश कर सकती है। इस प्रस्ताव के तहत लोकसभा की सीटें 543 से बढ़ाकर 816 की जा सकती हैं, जिसमें 273 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी और परिसीमन 2011 की जनगणना पर आधारित होगा।

भारत सरकार 16 से 18 अप्रैल, 2026 तक संसद का तीन दिवसीय विशेष सत्र बुलाने जा रही है, जिसका मुख्य उद्देश्य महिला आरक्षण अधिनियम, जिसे आधिकारिक तौर पर नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023 के नाम से जाना जाता है, के कार्यान्वयन में तेजी लाने के उद्देश्य से संशोधनों पर चर्चा करना और उन्हें पारित करना है।

अपनी पहली जीत दर्ज करने उतरेगी सीएसके

» श्रेयस की चोट ने बढ़ाई पंजाब की चिंता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। सीएसके एमए चिदंबरम स्टेडियम में आज पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) के सामने होगी। इस मुकाबले के साथ सीएसके सीजन का अपना पहला मैच जीतने उतरेगी। चेन्नई सुपर किंग्स ने 30 मार्च को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ आठ विकेट से मुकाबला गंवाया था। सीएसके अब उस हार को भुलाकर नए सिरे से अपना अभियान शुरू करने की कोशिश करेगा। वहीं, पंजाब किंग्स ने 31 मार्च को गुजरात टाइटंस के खिलाफ तीन विकेट से मैच अपने नाम किया था। सीएसके के स्टार खिलाड़ी महेंद्र सिंह धोनी गुवाहाटी नहीं गए थे क्योंकि वह पिंडली की चोट से उबर रहे हैं।

उनका हालांकि पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच के दौरान डगआउट में रहने की संभावना है जिससे कप्तान रुतुराज गायकवाड़ को काफी फायदा मिलेगा। संजू सैमसन सीएसके के लिए अपने पहले मैच में खास प्रभाव नहीं छोड़ पाए थे और वह इसकी भरपाई करने के लिए बेताब होंगे। सीएसके को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मैच में डेवाल्ड ब्रेविस की सेवाएं नहीं मिल पाई थी और अभी यह स्पष्ट नहीं है कि वह साइड स्ट्रेन से पूरी तरह उबर चुके हैं या नही। जहां तक पंजाब किंग्स का सवाल है तो उसने कुछ विषम परिस्थितियों से गुजरने के बाद गुजरात टाइटंस के खिलाफ जीत हासिल की। पंजाब के लिए चिंता की बात कप्तान श्रेयस अय्यर की चोट है जो उन्हें गुजरात के खिलाफ मैच में लगी थी। टीम प्रबंधन ने बताया था कि श्रेयस को फ्रैक्चर नहीं हुआ है, लेकिन उनके हाथ में सूजन है। लेकिन टीम को उम्मीद है कि श्रेयस इस मैच के लिए उपलब्ध रहेंगे। दोनों टीमों के बीच हाल के मुकाबलों में पंजाब किंग्स का पलड़ा भारी रहा है, जिसने चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ पिछले सात में से छह मैच जीते हैं। चेपॉक हालांकि, चेन्नई का गढ़ रहा है जिस कारण पंजाब के लिए ये मैच आसान नहीं रहने वाला है।

हैदराबाद जीत की पटरी पर लौटी, केकेआर को दी मात

नई दिल्ली। हेनरिक क्लासेन (52), अभिषेक शर्मा (48) और ट्रेविस हेड (46) की तूफानी पारियों के बाद घातक गेंदबाजी के दम पर सनराइजर्स हैदराबाद ने केकेआर को उनके घर में 65 रनों से हराकर सत्र की पहली जीत दर्ज कर ली। गुरुवार को ईडेन गार्डन्स में खेले गए मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी हैदराबाद ने 20 ओवर में आठ विकेट पर 226 रन बनाए। जवाब में कोलकाता की टीम 16 ओवर में सिर्फ 161 रन ही बना सकी और ऑलआउट हो गई। उनके लिए अंगकृष रघुवंशी ने सर्वाधिक 52 रनों की पारी खेली। केकेआर 2012 के बाद पहली बार लगातार दो ओपनिंग मैच हारी है। हैदराबाद से पहले उसे मुंबई इंडियंस ने सत्र के शुरुआती मुकाबले में ही हराया था। वहीं, सनराइजर्स की 2020 के बाद कोलकाता के खिलाफ खेले 14 मुकाबलों में सिर्फ चौथी जीत है। वहीं, ईडेन गार्डन्स पर खेले 12 आईपीएल मैचों में भी हैदराबाद की यह चौथी जीत है।

ईरान के हमले और घातक, अमेरिका पर आफत

ट्रंप की धमकी के बाद हमले किए तेज, पश्चिम एशिया लड़ाई का 35वां दिन, इजरायल-कुवैत की तेल रिफाइनरी पर अटैक, धमाके के बाद लगी आग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मिडिल ईस्ट में जारी लड़ाई का आज 35वां दिन है। यह जंग खतरनाक मोड़ पर पहुंच गई है। अमेरिका द्वारा ईरान के सबसे ऊंचे ब्रिज पर किए हमले के बाद तेहरान पूरी तरह भड़का हुआ है। उसने खाड़ी देशों के 8 पुलों पर हमले की चेतावनी दी है। वहीं अब ईरान ने कुवैत की मीना अल-अहमदी रिफाइनरी पर ड्रोन से हमला किया है।

वहीं ईरान ने एफ-35 को मार गिराया है। इस बीच ईरान ने कुवैत की मीना अल-अहमदी तेल रिफाइनरी पर ड्रोन से हमला किया। इस हमले से रिफाइनरी की कई इकाइयों में भीषण आग लग गई है इससे अंतरराष्ट्रीय तेल आपूर्ति श्रृंखला पर असर पड़ने की आशंका बढ़ गई है। ईरान द्वारा किए गए इस हमले के कारण रिफाइनरी की कई यूनिट्स में आग लग गई है, मौके पर इमरजेंसी टीम आग बुझाने में जुटी गुई है। इस हमले में भारी नुकसान की आशंका जताई जा रही है।

ऑयल सप्लाई चेन पर पड़ सकता है असर

यह रिफाइनरी कुवैत के सबसे बड़े तेल प्रोसेसिंग केंद्रों में से एक मानी जाती है, जहां बड़े पैमाने पर कच्चे तेल को प्रोसेस किया जाता है। ईरान द्वारा किए गए इस हमले ने न सिर्फ स्थानीय उत्पादन बल्कि अंतराष्ट्रीय ऑयल सप्लाई चेन पर भी असर पड़ सकता है। यह हमला ट्रंप की नई धमकियों के बाद की गई है। सऊदी अरब के रक्षा मंत्रालय के अनुसार, ईरान के पांच ड्रोन को इंटरसेप्ट कर नष्ट किया गया है। पहले चार ड्रोन को रोकने की पुष्टि की गई थी, इसके बाद रात में एक और ड्रोन को मार गिराया गया था।

कुवैत की राष्ट्रीय तेल कंपनी पर शुक्रवार सुबह ड्रोन से अटैक

कुवैत की राष्ट्रीय तेल कंपनी कुवैत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन के अनुसार, मीना अल-अहमदी रिफाइनरी पर शुक्रवार सुबह-सुबह ड्रोन से हमला किया गया। हमले के बाद रिफाइनरी की कई ऑपरेशनल यूनिट्स में आग लग गई। ईरान द्वारा किए इस हमले के बाद फायर ब्रिगेड और इमरजेंसी रिस्पांस टीम तुरंत मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने के प्रयास शुरू कर दिए हैं। अधिकारियों ने बताया कि स्थिति को कंट्रोल करने के लिए सभी जरूरी सुरक्षा प्रोटोकॉल लागू किए गए हैं।

तेल अवीव में बज रहे सायरन

इजरायल में तेल अववी के लोगों को हमले के लिए अलर्ट रहने को कहा गया है। तेल अवीव में सायरन बज रहे हैं। शुक्रवार को इजरायल की सेना ने चेतावनी दी कि उसके एयर डिफेंस सिस्टम ईरान से दागी गई मिसाइलों को गिराने के लिए सक्रिय है। ईरान ने कहा कि उसके नवीनतम हमलों में संयुक्त अरब अमीरात, बहरीन और इजरायल में स्थित ठिकानों को निशाना बनाया गया है। ये हमले अमेरिका और इजरायल द्वारा पहले किए गए औद्योगिक संयंत्रों पर हमलों के जवाब में किए गए हैं।

अमेरिका का पांचवी पीढ़ी का लड़ाकू विमान पर हमले

एफ-35 को मार गिराया है। यह अमेरिका का पांचवी पीढ़ी का लड़ाकू विमान है और यह सबसे एडवांस अमेरिकी स्टील्थ लड़ाकू विमानों में से एक है. स्टील्थ होना यानी इसका पता लगा पाना लगभग नामुमकिन होता है. यह रडार से पकड़े जाने और भारी एयर डिफेंस सिस्टम वाले दुश्मन देशों के अंदर भी काम करने में सक्षम है। इससे पहले ईरान ने कथित तौर पर 19 मार्च को अपने हवाई क्षेत्र में एक अमेरिकी एफ-35 स्टील्थ लड़ाकू विमान पर हमला किया था और दावा किया था कि उसे मार गिराया गया है। अमेरिका ने इस बात से इनकार करते हुए कहा कि विमान ने बेस पर सफलतापूर्वक आपातकालीन लैंडिंग कर ली थी। एक एफ -35 की कीमत लगभग 82.5 मिलियन है. भारतीय करेंसी में यह रकम लगभग 764 करोड़ होती है।

जलडमरूमध्य को फिर से खोलने के प्रयासों में पारदर्शिता बरतें केंद्र : मनीष तिवारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने शुक्रवार को केंद्र सरकार से होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने के प्रयासों में पारदर्शिता बरतने का आह्वान किया। उन्होंने इस मार्ग से होने वाले कच्चे तेल के परिवहन में आई भारी कमी को उजागर किया, जो पश्चिम एशिया संघर्ष से पहले प्रतिदिन 22 मिलियन बैरल था, लेकिन अब घटकर मात्र 0.5 मिलियन बैरल रह गया है। तिवारी ने कहा कि मूल बात यह है कि तुर्की, मिस्र और चीन इस दिशा में पहल कर रहे हैं, इसके अलावा, पिछले कुछ महीनों में ऐसी खबरें आई हैं कि पाकिस्तान में कुछ बैठकें हुई हैं। लेकिन होर्मुज जलडमरूमध्य तक पहुंच के संभावित नुकसान के संबंध में सरकार कूटनीतिक दृष्टिकोण से क्या पहल कर रही है? 28 फरवरी से पहले इस मार्ग से प्रतिदिन 22 मिलियन बैरल कच्चे तेल का परिवहन होता था, जो अब घटकर 0.5 मिलियन बैरल रह गया है। उन्होंने भारतीय सरकार से जलडमरूमध्य से तेल प्रवाह बहाल करने के लिए उठाए जा रहे कदमों को स्पष्ट करने का आग्रह किया और कहा कि इस तेल का एक बड़ा हिस्सा अभी भी चीन को भेजा जा रहा है, जबकि पाकिस्तान ने कुछ रियायतें हासिल कर ली हैं। वहीं, भारत को केवल दो या तीन टैंकर ही मिले हैं।

मालदा घेराव के लिए चुनाव आयोग दोषी : सुभंकर सरकार

» सीएम ने बीजेपी और टीएमसी पर लगाया उकसाने का आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल कांग्रेस अध्यक्ष और सेरामपुर विधानसभा उम्मीदवार सुभंकर सरकार ने शुक्रवार (3 अप्रैल, 2026) को मालदा में हुई हालिया घटना के लिए भारत के चुनाव आयोग को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि इस घटना ने मौजूदा राज्य और केंद्र सरकारों के तहत कानून-व्यवस्था की खामियों को उजागर किया है। सरकार ने कहा, मालदा घटना के लिए चुनाव आयोग पूरी तरह जिम्मेदार है।

कांग्रेस सरकार की पिछली उपलब्धियों को याद करते हुए सरकार ने कहा, बंगाल में कांग्रेस शासन के दौरान काफी विकास हुआ और कानून-व्यवस्था की स्थिति अच्छी थी। केंद्र में भाजपा के शासन में कोई विकास नहीं हुआ है और वाम मोर्चा और टीएमसी दोनों ही वादे निभाने में विफल रहे हैं।

पश्चिम बंगाल की मालदा हिंसा में बड़ा अपडेट सामने आया है। सुप्रीम कोर्ट के संज्ञान और पूरा मामला एनआईए को रेफर होने के बाद पुलिस ने मुख्य आरोपी को अरेस्ट कर लिया है। मालदा घटना पर उत्तरी बंगाल के एडीजी के. जयरामन के अनुसार अब तक 35 लोगों को गिरफ्तार किया है। इस हिंसा में 19 मामले दर्ज किए हैं। उन्होंने बताया कि हिंसा भड़काने वाले मुख्य आरोपी मोफक्करुल इस्लाम को अरेस्ट किया गया है। वह अभी बागडोगरा में हिरासत रखा गया है। एडीजी के. जयरामन ने बताया कि उसे यहां लाया जा रहा है। आगे एनआईए इस मामले की जांच अपने हाथ में लेगी। उसे कालियाचक मामले में गिरफ्तार किया गया है। जयरामन के अनुसार वह एक वकील लगता है। हम जांच कर रहे हैं कि बचाव कार्य में देरी क्यों हुई। फिर हम एक रिपोर्ट सौंपेंगे।

आप नेता राघव को लेकर मचा सियासी घमासान

आप ने राज्यसभा में उप-नेता के पद से हटाया, आम आदमी पार्टी में आंतरिक कलह आया बाहर

» खामोश करवाया गया हूँ, हारा नहीं हूँ : राघव चड्ढा

» कांग्रेस और भाजपा ने भी उठाए सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी में आंतरिक घमासान अब बाहर आ गया है। राज्यसभा में पार्टी के चर्चित चेहरे राघव चड्ढा को डिप्टी लीडर (उप-नेता) के पद से हटा दिया गया है। इस फैसले के बाद चड्ढा ने एक कड़ा और भावुक बयान जारी करते हुए अपनी स्थिति स्पष्ट की है। सांसद राघव चड्ढा ने शुक्रवार को एक कड़ा बयान जारी करते हुए कहा कि उन्हें खामोश तो किया जा सकता है, लेकिन हराया नहीं जा सकता। राघव चड्ढा के लिए अब यह साफ़ हो गया है कि पार्टी के भीतर अब उनके लिए कोई जगह नहीं बची है। वहीं आप ने कहा कि वह अब केजरीवाल के सिपाही नहीं रहे गए हैं।

हाल के दिनों में, राघव चड्ढा सोशल मीडिया पर अपने संसदीय भाषणों-जैसे कि पैटर्निटी लीव को लेकर उनकी मुहिम—और अपनी निजी ज़िंदगी की अहम घटनाओं (जैसे अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा के साथ उनके पहले बच्चे का जन्म) के बारे में अक्सर पोस्ट करते रहे हैं। फिलहाल, राज्यसभा में आप के 10 सदस्य हैं, जिनमें से सात पंजाब से और तीन दिल्ली से हैं।

केजरीवाल के सिपाही नहीं रहे हैं और सरकार के खिलाफ खुलकर बोलने से घबराने लगे हैं राघव चड्ढा : अनुराग ढांडा

आम आदमी पार्टी नेता अनुराग ढांडा ने राघव चड्ढा पर निशाना साधते हुए कहा कि वह अब अरविंद केजरीवाल के सिपाही नहीं रहे हैं और सरकार के खिलाफ खुलकर बोलने से घबराने लगे हैं। अनुराग ढांडा ने कहा, हम केजरीवाल के सिपाही हैं निडरता हमारी पहली पहचान है. जो डर जाए, वो देश के लिए क्या लड़ेगा?हम केजरीवाल के सिपाही हैं। निडरता पहली पहचान है हमारी। कोई मोदी से डर जाए तो लड़ेगा क्या देश के लिए? संसद में थोड़ा सा समय मिलता है बोलने का पार्टी को, उसमें या तो देश बचाने का संघर्ष कर सकते हैं या एयरपोर्ट कैंटीन में समोसे सस्ते करवाने का। उन्होंने संसद में राघव चड्ढा की भूमिका पर सवाल उठाते हुए कहा कि पार्टी को संसद में बोलने का सीमित समय मिलता है, लेकिन उस समय का इस्तेमाल देश बचाने के संघर्ष के बजाय एयरपोर्ट कैंटीन में समोसे सस्ते करवाने जैसे मुद्दों पर किया गया। अनुराग ढांडा ने दावा किया कि गुजरात में आप के सैकड़ों कार्यकर्ताओं को बीजेपी की सरकार और पुलिस ने गिरफ्तार किया, लेकिन इस मुद्दे पर राघव चड्ढा ने संसद में आवाज नहीं उठाई।

कांग्रेस नेता अमरिंदर सिंह राजा वारिंग ने भी घेरा

कांग्रेस नेता अमरिंदर सिंह राजा वारिंग ने भी इसी तरह की भावनाएं व्यक्त करते हुए हाल के पार्टी कार्यक्रमों में चड्ढा की अनुपस्थिति का जिक्र किया। एएनआई के अनुसार, उन्होंने कहा कि लोगों को यह बात बहुत पहले ही समझ आ गई थी, जब केजरीवाल की गिरफ्तारी के समय वह लंदन गए थे। अब आम धारणा यह है कि चड्ढा पार्टी छोड़ देंगे या उन्हें पार्टी से निकाल दिया जाएगा और वे कहीं और शामिल हो जाएंगे।

भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने उठाए सवाल

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने दावा किया कि राघव चड्ढा को जिस तरह से दरकिनार किया गया है और किनारे कर दिया गया है, उससे साफ पता चलता है कि उन्होंने अरविंद केजरीवाल के अराजक और भ्रष्ट नेतृत्व से खुद को अलग कर लिया है। सचदेवा ने आगे दावा किया कि स्वाति मालीवाल के बाद चड्ढा दूसरे प्रमुख आम आदमी नेता हैं जिनके नेतृत्व से मतभेद हैं। उन्होंने कहा कि पहले स्वाति मालीवाल और अब राघव चड्ढा, दोनों ही दिल्ली में आम आदमी पार्टी के प्रमुख नेता हैं, जो केजरीवाल की कार्यशैली से अलग होते दिख रहे हैं।

देश के बड़े मुद्दों की बात करना ज्यादा जरूरी : सौरभ भारद्वाज

इसके साथ ही आप नेता ने कहा कि अगर कोई सदन में कोई समोसे की बात कर रहा है, तो देश के बड़े मुद्दों की बात करना ज्यादा जरूरी है. पूरे देश में हमने देखा है कि हर राज्य में चुनाव से पहले सही लोगों के वोट काटे जाते हैं और फर्जी वोट बनाकर सरकार सिस्टम पर कब्जा करके चुनाव जीत रही है. यह सब पश्चिम बंगाल में भी हो रहा है, अभी सभी विपक्षी दल सीईसी के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाना चाहते थे, लेकिन आपने उन्हें साइन करने से रोक दिया। उन्होंने कहा कि जब भी कोई मुद्दा आता है, जिस पर विपक्ष वॉकआउट करता है, आप वॉकआउट नहीं करते। पिछले कुछ सालों में मैंने देखा है कि आपने संसद में ऐसा कोई मुद्दा नहीं उठाया जिसमें आपने प्रधानमंत्री या बीजेपी सरकार से सवाल किया हो. ऐसी निडर राजनीति कैसे चलेगी? पंजाब, जहां से आप आते हैं, उसके मुद्दे उठाने से भी डरते हैं. अभी गुजरात में पार्टी के लगभग 160 कार्यकर्ताओं पर झूठे केस में एफआईआर दर्ज की गई है, कई लोगों को गिरफ्तार भी किया गया है, लेकिन आप उस पर भी चुप रहते हैं।

महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। **विधि सलाहकार**: मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा
द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक- संजय शर्मा